राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 08 दिसंबर 2025 वर्ष-8,अंक-281 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महबूबा बोलीं: सरकार की नीति जम्मू-कश्मीर में फेल हुई

■ हम यह नहीं कहते कि हमें पाकिस्तान को दे दो, लेकिन इज्जत तो दो

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उनकी नीति पूरी तरह से फेल हो गई है। महबूबा ने रविवार को श्रीनगर में प्रेस कांफ्रेंस कर कश्मीर का मुद्दा उठाया। PDP प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा, कश्मीर इश्यू का नाम लेना अब गुनाह समझा जाता है। लेकिन मुल्क में जो समझदार लोग हैं, वे समझेंगे कि एक पढ़ा-लिखा डॉक्टर अपने ऊपर बम बांधकर बेगुनाह लोगों को मारकर खुद भी जान लेता है। ये कोई अच्छी बात है क्या। महबूबा मुफ्ती ने कहा, हम तो गांधी के देश से मिले, बस अपनी जिंदगी इज्जत से जीने के लिए। हम यह तो नहीं कहते कि हमें उठाकर पाकिस्तान को दे दो या यहां-वहां फेंक दो। हमें इज्जत दो, हमारे पढ़े-लिखे युवाओं को इज्जत दो। पिछले 20 दिनों में यह दूसरी बार है जब महबूबा ने दिल्ली ब्लास्ट के मुद्दे को कश्मीर से जोड़ा है। उन्होंने 16 नवंबर को कहा था कि आपने (केंद्र सरकार) दुनिया को बताया कि कश्मीर में सब कुछ ठीक है, लेकिन कश्मीर की परेशानी लाल किले के सामने गूंज रही ।

स्मृति मंधाना-पलाश मुछाल की शादी कैंसिल

■ स्मृति ने लिखा: मामले को यहीं खत्म करना चाहती हूं

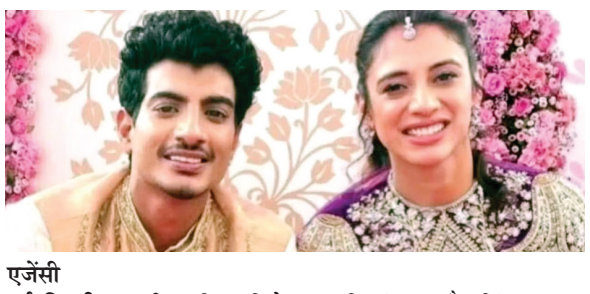

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना और सिंगर पलाश मुछाल की शादी कैंसिल हो गई है। स्मृति और पलाश ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाकर इसकी जानकारी दी। दोनों की शादी 23 नवंबर को होनी थी। संगीत से लेकर हल्दी के कार्यक्रम हो चुके थे। बारात की तैयारियां चल रही थीं। ऐसे में 23 नवंबर की सुबह स्मृति के पिता को हार्ट अटैक आने के बाद शादी पोस्टपोन कर दी गई थी। शादी टलने के बाद सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें फैलने लगीं। दावा किया गया कि पलाश ने स्मृति के साथ धोखा किया है और उनका नाम वेडिंग कोरियोग्राफर से जोड़ा गया। इसी बीच, स्मृति ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से शादी से जुड़ी सभी तस्वीरें हटा दी थीं। स्मृति ने पोस्ट में लिखा- पिछले कुछ हफ्तों से मेरी निजी जिंदगी को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं, इसलिए मुझे लगा कि इस समय मुझे खुद इस बारे में बात कर देनी चाहिए। मैं बहुत निजी स्वभाव की इंसान हूं और अपनी प्राइवेसी बनाए रखना चाहती हूं, लेकिन यह साफ करना जरूरी है कि शादी अब कैंसिल हो गई है।

गोवा हादसा: बेली डांसर के डांस के दौरान आग लगी

सौरभ लूथरा और गौरव के खिलाफ एफआईआर, अरपोरा-नागोआ पंचायत के सरपंच रोशन रेडकर भी हिरासत में, संकरे रास्ते ने फायर ब्रिगेड रोकी

एजेंसी

पणजी। गोवा के अरपोरा इलाके में स्थित नाइट क्लब 'Bollywood Banger Night' में शनिवार रात आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई और 6 लोग घायल हो गए। शुरूआती जांच में पता चला है कि आग डांस फ्लोर से शुरू हुई। हादसे के समय क्लब में करीब 100 लोग मौजूद थे और 'Bollywood Banger Night' चल रही थी। इसका वीडियो भी सामने आया है। इसमें बेली डांसर महबूबा-ओ-महबूबा पर डांस करते दिख रही है। इस दौरान क्लब की छत से कांच के बड़े टुकड़े टूटकर नीचे गिरने लगे। कुछ ही सेकंड बाद आग की तेज लपटें दिखाई देने लगीं। लपटें देख लोग घबरा गए और महिला डांसर ने भी तुरंत डांस रोक दिया। गोवा के नाइट क्लब में आग लगने की घटना में 25 लोगों की मौत हुई है। इस मामले में अरपोरा-नागोआ पंचायत के सरपंच रोशन रेडकर को हिरासत में लिया गया है। इसके अलावा पुलिस ने नाइटक्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। बता दें कि नाइट क्लब एक अस्थायी निर्माण पर चल रहा था और इसके निर्माण में बड़े पैमाने पर ताड़ की पत्तियों का इस्तेमाल हुआ था, जिसके चलते आग तेजी से भड़की। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही है। शुरूआती जांच में नाइट क्लब में कई

खामियों की बात सामने आ रही है, जिनमें कहा जा रहा है कि नाइट क्लब में आग से बचाव के नियमों का उल्लंघन किया गया और लोगों की सुरक्षा से खिलवाड़ किया गया। गोवा पुलिस के प्रमुख आलोक कुमार ने बताया कि सिलेंडर में धमाके की वजह से आग लगी, लेकिन कई प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि नाइट क्लब की पहली मंजिल पर आग लगी, जहां बड़ी संख्या में पर्यटक डांस कर रहे थे। जांच में सामने आया है कि क्लब की एंट्री संकरी होने के चलते फायर ब्रिगेड नहीं पहुंच सकी। वहीं, अरपोरा-नगुआ गांव के सरपंच का कहना है कि क्लब अवैध था, इसे तोड़ने का नोटिस भी दिया था। क्लब खुद को 'आइलैंड क्लब' बताता है। यह अरपोरा नदी के बैकवाटर में बना हुआ है। जानकारी के मुताबिक क्लब में एंट्री और एग्जिट के रास्ते संकरे है। इसके चलते आग लगने के बाद फायर ब्रिगेड क्लब तक नहीं पहुंच पाई और उन्हें 400 मीटर दूर पार्क करना पड़ा। इससे बचाव कार्य में काफी देरी हुई। अधिकारियों के मुताबिक अधिकतर मौतें धुएं और दम घुटने से हुईं। क्लब के मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया है। आग लगने के कारणों की जांच चल लही है।

पीएम मोदी बोले: भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था

धीमी अर्थव्यवस्था को हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ कहने वाले अब खामोश हैं

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि जब भारत की ग्रोथ रेट 2-3% थी, तब कुछ बुद्धिजीवियों ने इसे हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ कहा और देश की धीमी अर्थव्यवस्था का कारण हिंदू संस्कृति को बताया। मोदी ने कहा, आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, लेकिन वही लोग अब इस टर्म का जिक्र नहीं करते। पीएम मोदी ने कहा कि जो लोग हर बात में सांप्रदायिकता देखते हैं, उन्हें तब हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ शब्द सही लगा और वे इसे अपनी किताबों और रिसर्च पेपर्स में लिखते रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया अनिश्चितताओं से भरी है। फिर भी इस दौर में हमारा भारत एक अलग लीग में दिख रहा है। भारत आत्मविश्वास से भरा है। जब दुनिया में स्लोडाउन की बात होती है भारत ग्रोथ की कहानी लिखता है। जब दुनिया में ट्रस्ट की क्राइसिस

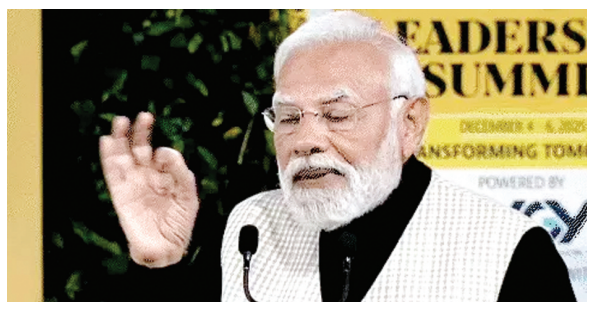

होती है तब भारत पिलर बनता है। कुछ दिन पहले भारत के जीडीपी आंकड़े आए जिसमें 8% से ज्यादा ग्रोथ हो रही है। ये सिर्फ नंबर नहीं है ये स्ट्रांग मैक्रो इकोनॉमिकल सिग्नल है। यह संदेश है भारत ग्लोबल इकोनॉमी का ग्रोथ ड्राइवर बन रहा है। देश में लोगों के 78 हजार करोड़ रुपए बैंक खातों में अनक्लेम पड़े हुए हैं। इसी तरह इंश्योरेंस कंपनियों में 48 हजार करोड़ रुपए बिना दावे के पड़े हैं। यह ज्यादातर गरीब परिवारों का पैसा है, जिसे लोग भूल चुके हैं। इसलिए सरकार अब देशभर में स्पेशल कैंप लगाकर असली हकदारों को खोज रही है। अंग्रेजों को पता था लंबे समय तक राज करना है तो उनमें हीनभावना का संचार करना होगा। उस दौर में अंग्रेजों ने यही किया भी इसीलिए भारतीय पारिवारिक संरचना को पुराना बताया पोशाक का मजाक उड़ाया। त्योहार को इरेशनल कहा गया। भारतीय आविष्कारों का मजाक उड़ाया गया। पीढ़ी दर पीढ़ी यही चलता रहा। ऐसे ही भारतीयों का विश्वास चकनाचूर होता गया। हमारे देश में ऐसे प्रावधान थे जहां छोटी गलती को गंभीर अपराध माना जाता था। हम कानून लाय उन्हें अपराध की कैटेगरी से हटाया। पहले 1000 रुपए के लोन के लिए बैंक गारंटी मानता था। हमने इसे तोड़ा। अब 37 लाख तक गारंटी फ्री लोन मिलता है। इस पैसे से उन परिवारों के नौजवानों को एन्टरप्रेन्योर बनने का अवसर मिल रहा है। जी 7 की इकोनॉमी औसतन 1.5% के पास है इन परिस्थितयों में भारत लो इंफ्लेशन मॉडल बना है। एक समय देश में ज्यादा महंगाई को लेकर चिंता जताते थे आज वे कम होने की बात करते हैं। भारत का स्पेस सेक्टर पहले सरकारी कंट्रोल में था हमने इसे प्राइवेट सेक्टर के लिए खोला। आज इसके नतीजे देश देख रहा है। अभी 11 दिन पहले हैदराबाद में स्काई रूट कैंपस का इनॉगरेशन किया। यह भारत की प्राइवेट स्पेस कंपनी है। यह कंपनी फ्लाईरेडी विक्रम 1 बना रही है।

नेवी चीफ बोले: ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ

■ जो हम हम पर बुरी नजर डालेगा, उसे करारा जवाब देंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन नेवी चीफ एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने रविवार को कहा कि भले ही ऑपरेशन सिंदूर को फिलहाल रोका गया है, लेकिन ये अभी भी जारी है। भारत पर अगर कोई भी अटैक की कोशिश करेगा, तो हमारी सेना उसे मुंहतोड़ जवाब देगी, जैसा ऑपरेशन सिंदूर के समय दिया था। रविवार को दिल्ली में आर्म्ड फोर्सेज फ्लैग डे फंक्शन 2025 में पहुंचे नेवी चीफ ने कहा- आप जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर केंद्र सरकार ने क्या कदम उठाए थे। मुझे महसूस होता है कि इस देश के नागरिकों को अपनी सेना पर गर्व है। अगर कोई हम पर बुरी नजर डालेगा, तो हम उसे करारा जवाब देंगे। इससे पहले 2 दिसंबर को भी नेवी चीफ ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। मई 2025 में शुरू हुए इस ऑपरेशन के दौरान भारतीय नौसेना ने पाकिस्तानी नेवी के खिलाफ मजबूत तैनाती की थी। इसके कारण पाकिस्तान नौसेना अपने जहाज बंदरगाहों से बाहर

नहीं निकाल सकी थी। अरब सागर के पास मकरान तट तक ही सीमित होकर रह गई थी। दिल्ली में नेवी की सालाना प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेवी चीफ त्रिपाठी ने कहा था कि बीते 7-8 महीने से पश्चिमी अरब सागर में हमारे ऑपरेशन लगातार जारी है। इससे चलते पाकिस्तान की ओर जाने वाले व्यापारी जहाजों के रूट कम हुए हैं। उनकी बीमा राशि महंगी हुई है। इसके चलते पड़ोसी देश पर वित्तीय दबाव बढ़ा है। नेवी चीफ ने मंगलवार को नशीली दवाओं की तस्करी रोकने के अभियान में नेवी यूनिट्स ने पिछले साल अन्य राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर 43,300 करोड़ रुपये के ड्रग्स जब्त किए। हम पहले रिस्पॉन्डर के रूप में अपनी जिम्मेदारियां बहुत प्रभावी तरीके से निभा रहे हैं और हमें इस पर गर्व है।

इंडिगो संकट- छठे दिन 650+ फ्लाइट कैंसिल

■ पैसा रिफंड करने के निर्देश, सरकार ने पूछा: बताएं आप पर एक्शन क्यों न हो

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले 5 दिन से चल रहे इंडिगो संकट के कारण शनिवार को भी 800 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हुईं। छठे दिन भी यह सिलसिला जारी है। हालांकि इंडिगो ने दावा किया है कि उसने 95% रूट पर फ्लाइट ऑपरेशन नॉर्मल कर दिया है। एयरलाइन ने कहा कि 138 में से 135 डेस्टिनेशंस पर फ्लाइट ऑपरेट कर रहे हैं। हमें लोगों का भरोसा दोबारा जीतने के लिए काफी वक्त लगेगा। इधर, रविवार को भी इंडिगो की 650 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हो चुकी हैं। इनमें दिल्ली, चेन्नई, जयपुर, हैदराबाद, भोपाल, मुंबई, त्रिची से

जाने वाली फ्लाइट्स शामिल हैं। इससे पहले एयरलाइन ने शुक्रवार को लगभग 1600 फ्लाइट और शनिवार को लगभग 800 फ्लाइट कैंसिल की थीं। कंपनी को पैसे रिफंड करने और कैंसिल या रुकी हुई फ्लाइट्स के लिए पूरा रिफंड प्रोसेस 7 दिसंबर को रात 8 बजे तक पूरा करनी होगी। अगले 48 घंटों में पैसेंजर के बैगेज को ट्रेस करके डिलीवर करना होगा। कंपनी के CEO को 24 घंटे में बताना होगा कि पिछले 5 दिन से जारी संकट के चलते कंपनी पर एक्शन क्यों न लिया जाए। जवाब न देने पर DGCA एकतरफा फैसला ले सकेगा। बाकी एयरलाइंस के बढ़ते किराए पर रोक लगाई। हवाई किराया फिक्स किया। अब कोई भी एयरलाइन 500 किमी की दूरी तक 7500 रुपए, 500-1000 किमी तक 12 हजार रुपए से ज्यादा किराया नहीं ले पाएगी। एयरलाइंस का अधिकतम किराया 18 हजार रुपए तय किया गया है। हालांकि ये किराया सीमा बिजनेस क्लास के लिए लागू नहीं होगी।

अब ग्रेटर हैदराबाद में बाबरी मस्जिद मेमोरियल बनाने का ऐलान

एजेंसी

हैदराबाद। तहरीक मुस्लिम शब्बन ने ग्रेटर हैदराबाद में बाबरी मस्जिद मेमोरियल और वेलफेयर इंस्टीट्यूशन बनाने के प्लान का ऐलान किया है। यह फैसला मस्जिद गिराए जाने की 33वीं बरसी पर बाद लिया गया। संस्था के प्रेसिडेंट मुश्ताक मलिक ने कहा हम जल्द ही ऐलान करेंगे कि यह कैसे और कितने समय में बनाया जाएगा। मलिक ने कहा कि बाबर के नाम से किसी को परेशान नहीं होना चाहिए, उन्होंने दावा किया कि यह मुद्दा पॉलिटिकल प्रोपेगैंडा है। इससे पहले, तृणमूल कांग्रेस (TMC) के सस्पेंड MLA हुमायूं कबीर ने

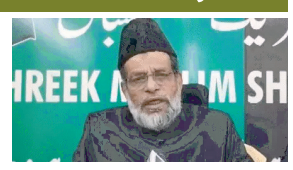

मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के निर्माण की नींव रखी है। कबीर ने दावा किया कि वह कुछ भी गैर-कानूनी नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कोई भी मंदिर बना सकता है, कोई भी चर्च बना सकता है। मैं मस्जिद बनाऊंगा। तहरीक मुस्लिम शब्बन के प्रेसिडेंट ने आरोप लगाया कि अगर हम तुलसीदास की रामायण देखें, तो वह बाबरी मस्जिद बनने के 60 साल बाद लिखी गई थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पौड़ी गढ़वाल में बड़ी बहन से मिले

कोटद्वार में सिद्धबली बाबा के किए दर्शन, देवताओं की जागर देखी

एजेंसी

पौड़ी गढ़वाल। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ आज उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में अपनी बड़ी बहन कौशल्या देवी से मिलने पहुंचे। कोटद्वार में बहन के घर में योगी आदित्यनाथ का स्वागत बड़े ही गर्मजोशी से हुआ। यह इस साल में दूसरी बार है जब योगी आदित्यनाथ अपनी बहन से मिले हैं।

इससे पहले 6 और 7 फरवरी को अपने पैतृक गांव पंचूर में शादी समारोह के दौरान सीएम अपनी बहन से मिले थे। बीते दिनों कोटद्वार के गाड़ीघाट क्षेत्र में रहने वाले सीएम योगी आदित्यनाथ के बहनोई का निधन हो गया था, जिसके कारण उनका कोटद्वार आना निर्धारित था। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कोटद्वार में स्थित सिद्धबली बाबा के दर्शन किए। सिद्धबली बाबा में वार्षिक अनुष्ठान चल रहा है और रविवार को अंतिम दिन है। इसके बाद वह अपनी बड़ी बहन कौशल्या देवी के घर पहुंचे। सीएम योगी आदित्यनाथ दोपहर दो बजकर करीब 35 मिनट पर अलीगढ़ से हेलिकाप्टर के जरिए कोटद्वार के ग्रास्टनगंज हैलिपेड पर उतरे। इसके बाद सीएम योगी का काफिला सिद्धबली बाबा के मंदिर की ओर गया। इस दौरान उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद वह अपनी बड़ी बहन कौशल्या देवी के घर की ओर रवाना हो गए। इसके बाद वह अपनी बड़ी बहन कौशल्या देवी के आवास में पहुंचे। यहां योगी ने अपनी बड़ी बहन को सांत्वना दीं। बताते चलें कि पिछले दिनों उनकी बड़ी बहन कौशल्या देवी के पति ओमप्रकाश रावत का बीमारी के चलते निधन हो गया था। सीएम योगी आदित्यनाथ के कोटद्वार आगमन से पूर्व ही पौड़ी प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था चाकचौबंद कर दी थी। मुख्यमंत्री के मंदिर प्रांगण में पहुंचने से कुछ देर पहले ही एक क्षेत्र को खाली कराते हुए सुरक्षा घेरा बना लिया गया था। इस दौरान प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से गाड़ीघाट क्षेत्र में भी कुछ मार्गों पर रूट डायवर्ट किया हुआ था। कई जगहों पर अवरोधक रखे थे और गाड़ियों की आवाजाही को रोका गया था। योगी आदित्यनाथ के कार से उतरते ही लैंसडौन विधायक महंत दिलीप रावत ने उनका अभिवादन किया। महंत दिलीप रावत योगी आदित्यनाथ को बाबा के दर्शन के लिए लेकर गए। श्री सिद्धबली मंदिर परिसर में चल रहे तीन दिवसीय श्री सिद्धबली बाबा वार्षिक अनुष्ठान के अंतिम दिन आज रविवार को एकादश कुंडीय यज्ञ की पूणार्हूति हुई। साथ ही देवताओं का आह्वान करते हुए जागर लगाए गए। इस दौरान कई पुरुष व महिलाएं देवता के प्रभाव में आकर नाचते दिखे। जागर संपन्न होने के बाद सवामन रोट का भोग लगाया गया व बाद में इस रोट को प्रसाद के रूप में वितरित किया गया।

एलओसी पर पाकिस्तान के 68 आतंकी लॉन्चपैड सक्रिय

120 आतंकी भारत में घुसने की तैयारी में, सुरक्षाबलों को निर्देश- टेररिस्ट सीमा के करीब न पहुंचें

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में लाइन ऑफ कंट्रोल (LoC) पर पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाके में 68 लॉन्चपैड सक्रिय हैं। वहां 110 से 120 आतंकी जम्मू-कश्मीर में घुसने की तैयारी कर रहे हैं। खुफिया एजेंसियों ने दैनिक भास्कर को ये एक्सक्लूसिव जानकारी दी है। सूत्रों के मुताबिक, अगले कुछ हफ्तों में घुसपैठ की कोशिशें बढ़ सकती हैं। LoC के कई संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा को और कड़ा कर दिया गया है। सभी सेक्टरों में निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि आतंकी सीमा के करीब भी न पहुंच सकें। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी लगातार छड्डउ की ओर भेजा जा रहे हैं, लेकिन भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह तैयार हैं। सभी फोर्सेज को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि हर घुसपैठ की कोशिश को सीमा पर ही रोक दिया जाए। सीमा से लगे गांवों और आगे की चौकियों में भी गश्त बढ़ा दी गई है। फील्ड यूनिट्स को अधिक सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध हरकत पर तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। घुसपैठ रोकने के लिए सुरक्षा बलों ने अपनी काउंटर-इनफिल्ट्रेशन ग्रिड को और मजबूत

किया है। बॉर्डर पर अब नाइट विजन कैमरे, ड्रोन निगरानी, थर्मल सेंसर, ग्राउंड सेंसर, बढ़ी हुई पेट्रोलिंग और अतिरिक्त जवानों की तैनाती कर दी गई है। इससे पहले 30 नवंबर को जम्मू के बीएसएफ कैंपस में एनुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई थी। इस दौरान BSF की जम्मू फ्रंटियर के IG शशांक आनंद ने बताया, 'साल 2025 में अब तक BSF ने पाकिस्तान की 118 चौकियां तबाह की हैं। सरकार ने हमें जीरो घुसपैठ का टारगेट दिया है। हम उसको पूरा करेंगे।' वहीं, BSF डीआईजी विक्रम कुंवर ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इरफ्रने कई आतंकी लॉन्च पैड नष्ट किए, इसके बाद पाकिस्तान ने बॉर्डर से 72 से ज्यादा टेरर लॉचिंग पैड शिफ्ट किए हैं। इनमें सियालकोट-जफ्फरवाल में एक्टिव 12 लॉन्च पैड और दूसरी जगहों पर एक्टिव 60 लॉन्च पैड शामिल हैं। हालांकि, ये सभी बॉर्डर से दूर हैं।जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने धर्म पूछकर 26 टूरिस्ट की हत्या कर दी थी। महिलाओं और बच्चों के सामने पुरुषों को सिर और सीने में गोली मारी थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बदलती दुनिया में भारत-रूस की अटल साझेदारी

फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में रूस में भारतीय तकनीक से फार्मा फैक्टरी की स्थापना स्वास्थ्य-क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है। भारत आज दुनिया के लिए 'फार्मेसी ऑफ द ग्लोब' बन चुका है। कोविड काल में दुनिया ने यह देखा कि दवा निर्माण केवल उद्योग नहीं बल्कि सामरिक शक्ति भी है। रूस में दवा निर्माण भारत को न केवल बाजार देगा बल्कि ऐसे समय में तकनीकी और कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनाएगा, जब पश्चिमी दवाईयों की आपूर्ति-राजनीति वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली पर नियंत्रण का उपकरण बन चुकी है। भारत-रूस संबंधों का सबसे ठोस और दीर्घकालिक आयाम ऊर्जा क्षेत्र है।

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

विश्व राजनीति की जटिलताओं और शक्ति-संतुलन के नए उभार के बीच कुछ संबंध ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता को विस्तार देते हुए नई दिशाएं निर्धारित करते हैं। भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में 5 दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी। यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में एक सक्रिय और आवश्यक घटक है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों को 'ध्रुव तारे की तरह स्थिर' कहा तो वह केवल एक कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था। ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थायी प्रकाश-स्रोत है और भारत-रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा-भू-राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं।

इस शिखर वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और रूस के बीच संबंध राष्ट्रीय हित, परस्पर सम्मान और साझा दृष्टिकोण की दृढ़ बुनियाद पर टिके हैं। ऐसे समय में, जब वैश्विक राजनीति अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, यूरोपीय सुरक्षा संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों, नाटो विस्तार और यूक्रेन युद्ध के दबावों से आकंठ भरी हुई है, भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने 'भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया, जो व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, तकनीकी नवाचार, समुद्री अवसंरचना, श्रम गतिशीलता और रणनीतिक उद्योगों में साझेदारी को एक व्यापक और भविष्यनिष्ठ आधार प्रदान करता है। यह समझौता दो देशों के व्यापारिक हितों का विस्तार नहीं बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में डॉलर वर्चस्व को चुनौती देने वाली और बहुध्रुवीय आर्थिक संरचना को स्थापित करने वाली एक साहसिक पहल भी है।

भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही है। 2024 में दोनों देशों का व्यापार 64 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था और अब 2030 तक इसे 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य उस नई आर्थिक संरचना की घोषणा है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच 96 प्रतिशत भुगतान रुपये और रूबल में होने लगा है। इस तथ्य का अर्थ वैश्विक आर्थिक विमर्श में अत्यधिक दूरगामी है, जो न केवल डॉलर की निर्भरता को चुनौती देता है बल्कि वैश्विक व्यापार को एक ऐसी राह पर ले जाता है, जहां मुद्रा-स्वायत्तता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और बहु-मुद्रा व्यापार व्यवस्था भविष्य का आधार बन सकती है। शिखर सम्मेलन में कृषि-उद्योग क्षेत्र में उर्वरक उत्पादन पर सहमति आने से भारत की खाद्य और कृषि सुरक्षा रणनीति को ऐतिहासिक मजबूती मिली है। आज जहां दुनिया संसाधन-संकट, कृषि लागत, उत्पादन सीमाएं और उर्वरक आपूर्ति से संबंधित अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, वहीं भारत और रूस का संयुक्त यूरिया उत्पादन कार्यक्रम भारत को केवल खरीदार देश नहीं, वैश्विक कृषि-आपूर्ति श्रृंखला में सक्रिय उत्पादक राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। यह भारत की आत्मनिर्भर कृषि नीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के दीर्घकालिक ढांचे को सुदृढ़ करेगा।

फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में रूस में भारतीय तकनीक से फार्मा फैक्टरी की स्थापना स्वास्थ्य-क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है। भारत आज दुनिया के लिए 'फार्मेसी ऑफ द ग्लोब' बन चुका है। कोविड काल में दुनिया ने यह देखा कि दवा निर्माण केवल उद्योग नहीं बल्कि सामरिक शक्ति भी है। रूस में दवा निर्माण भारत को न केवल बाजार देगा बल्कि ऐसे समय में तकनीकी और कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनाएगा, जब पश्चिमी दवाईयों की आपूर्ति-राजनीति वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली पर नियंत्रण का उपकरण बन चुकी है। भारत-रूस संबंधों का सबसे ठोस और दीर्घकालिक आयाम ऊर्जा क्षेत्र है। रूस भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा-आपूर्तिकर्ता बन चुका है और उसने विश्व के ऊर्जा-संकट के मध्य भारत को अबाध आपूर्ति देकर यह साबित किया कि यह संबंध परिस्थितियों से संचालित नहीं बल्कि विश्वास पर आधारित है।

सम्मेलन में परमाणु ऊर्जा पर हुई चर्चा और कुडनकुलम प्लांट के विस्तार की पुनर्पुष्टि भारत की स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा रणनीति को एक नई दिशा देती है। रूस द्वारा छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव उस परिवर्तन की पूर्वपीठिका है, जहां भारत विकेन्द्रीकृत ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से हर क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ सकेगा। यह भारत के नेट-जीरो संकल्प की व्यवहारिक यात्रा का महत्वपूर्ण चरण है। क्रिटिकल मिनरल्स का मुद्दा आने वाली औद्योगिक क्रांति की रीढ़ है। एआई, इलैक्ट्रिक वाहन, एयरोस्पेस, बैटरी निर्माण और रोबोटिक्स, इन सभी उद्योगों का अस्तित्व लिथियम, निकेल, कोबाल्ट और रेयर-अर्थ मेटल्स पर निर्भर है। पश्चिमी देशों ने इन खनिजों पर एकाधिकारवादी नियंत्रण बनाने का प्रयास किया है जबकि भारत-रूस इस समीकरण को बदल रहे हैं। रूस के पास विशाल खनिज संसाधन हैं और भारत के पास विकासशील तकनीक, अनुसंधान क्षमता और उत्पादन की औद्योगिक शक्ति। दोनों का मिलन वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा को नया आयाम प्रदान करेगा।

भारत द्वारा रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन तक मुफ्त ई-टूरिस्ट वीजा की घोषणा कूटनीति को लोगों की चेतना में स्थापित करती है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव की पुनर्पुष्टि है, जिसमें बौद्ध परंपरा, योग, भारत-रूस सांस्कृतिक आकर्षण और ऐतिहासिक धारा की निरंतरता उपस्थित है। यह पहल वैश्विक सूचना-राजनीति के युग में 'नैरेटिव स्वायत्तता' के निर्माण की ओर भी संकेत करती है, जिसे रूस के 'आरटी इंडिया' ब्यूरो की स्थापना आगे बढ़ाएगी। इस शिखर वार्ता में यूक्रेन संकट पर भारत की स्थिति ने अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भारत की नई भूमिका को स्पष्ट किया। भारत न तो किसी ध्रुव में समाहित है, न ही किसी वैश्विक सुरक्षा-प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बल्कि वह शांतिवादी और वैचारिक नेतृत्व के नए मॉडल के रूप में उभरा है। ब्रिक्स, जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर भारत और रूस का समन्वय बहुध्रुवीय व्यवस्था के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा रहा है। यह संबंध केवल सुरक्षा और सामरिक हितों से परे है, यह एक सभ्यतामूलक विमर्श है, जहां भारत और रूस अमेरिकी-यूरोपीय प्रभाव-क्षेत्र की एकध्रुवीयता को चुनौती देते हुए वैश्विक संतुलन स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं।

रक्षा क्षेत्र में ब्रह्मोस मिसाइल, सुखोई विमान, एस-400 सिस्टम और नई तकनीकों पर साझेदारी यह स्पष्ट करती है कि दोनों देशों का सुरक्षा बंधन साझा रणनीतिक विश्वास का परिणाम है। पहलगाम और मॉस्को हमलों के संदर्भ में आतंकवाद विरोधी एकजुटता की घोषणा यह सिद्ध करती है कि भारत और रूस नए खतरों की प्रकृति को समझते हैं और समाधान तलाशने में भी एकमत हैं। इन सभी आयामों का संकलन बताता है कि भारत-रूस संबंध न तो बीते युग की स्मृति हैं, न ही समीपस्थ हितों की आकस्मिक आवश्यकता। यह रिश्ते का वह मॉडल है, जो विश्वास, समय, भू-राजनीति, तकनीकी क्षमता और साझा दृष्टि

के संयोग से निर्मित हुआ है। यह केवल दो राष्ट्रों का गठजोड़ नहीं, दो सभ्यताओं का मार्गदर्शन है। ध्रुव तारे की उपमा इसीलिए सार्थक है क्योंकि ध्रुव तारा केवल चमकता नहीं, दिशा भी देता है। भारत और रूस का संबंध भी दिशा-निर्देशक है, नई विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने वाला, वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं को पहचान देने वाला और शक्ति-संतुलन को न्यायपूर्ण बनाने वाला।

2030 का रोडमैप इस संबंध को केवल नई मंजिल की ओर नहीं ले जाता बल्कि दुनिया को संकेत देता है कि भारत अब उस युग में प्रवेश कर रहा है, जहां वह ध्रुवों की संरचना में योगदान देने वाली शक्ति है। रूस इस यात्रा में सहायक नहीं बल्कि सहयात्री है। यही कारण है कि यह रिश्ता आज पहले से अधिक प्रासंगिक है और आने वाले वर्षों में विश्व राजनीति की धुरी बदलने में यह संबंध एक निर्णायक भूमिका निभाएगा। यह भविष्य के निर्माण का ऐसा दस्तावेज है, जो स्पष्ट करता है कि भारत और रूस किसी तात्कालिक परिस्थिति के सहायक नहीं, बहुध्रुवीय, संतुलित और स्थिर विश्व-व्यवस्था के निर्माता हैं। यही वह पथ है, जो आने वाले समय में वैश्विक राजनीति के मानचित्र को परिवर्तित करेगा और यही वह कारण है कि भारत-रूस संबंध न केवल समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए दिशा-निर्देशक ध्रुव तारा बन चुके हैं।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

'साथी' पर अविश्वास

हाल ही में केंद्र सरकार ने निर्देश दिए थे कि आगामी वर्ष मार्च से हर नये स्मार्टफोन में 'संचार साथी' ऐप पहले इंस्टॉल करना अनिवार्य होगा। दूसरी ओर पुराने स्मार्ट फोनों में इसे सॉफ्टवेयर अपडेट द्वारा भेजा जाएगा। जिसको लेकर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया दी और शीतकालीन सत्र में इसे बड़ा मुद्दा बनाया। विपक्ष का कहना था कि इससे निजता का उल्लंघन होगा और व्यक्ति के जीवन में सरकारी हस्तक्षेप बढ़ जाएगा। विपक्ष ने इसे संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण व नागरिकों की निगरानी करने वाला टूल बताया। इस बहस के बीच विपक्ष को नया मुद्दा मिलते देख केंद्र सरकार ने अनिवार्य तौर पर ऐप प्री-इंस्टॉल करने का अपना फैसला वापस ले लिया। दरअसल, सरकार का कहना था कि डिजिटल होती दुनिया में लगातार बढ़ते साइबर अपराधों से नागरिकों को सुरक्षा देने के मकसद से यह पहल की गई थी। उसका कहना था कि लगातार जटिल होते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये ऐसी पहल अपरिहार्य है। लेकिन विपक्ष का आरोप था कि साइबर अपराधों के खिलाफ सुरक्षा के नाम पर सरकारी हस्तक्षेप से नई तरह की असुरक्षा पैदा हो सकती है। बताया जाता है कि सरकार ने स्मार्टफोन में साइबर सुरक्षा ऐप इस तरह इंस्टाल करने को कहा था ताकि उसे डिलीट या अक्षम न किया जा सके। केंद्र की दलील थी कि यह ऐप उपभोक्ता को धोखाधड़ी वाले फोन और संदेशों की रिपोर्ट लिखवाने में मदद करता। साथ ही चोरी किए गए मोबाइल की बरामदगी आसान हो पाती। लेकिन निजी डेटा सुरक्षा व इसकी कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए गए, जिसके चलते इसका विरोध हुआ। वैसे सर्च इंजन में पहले से मौजूद इस ऐप को देश के लाखों लोग पहले ही स्वेच्छा से डाउनलोड कर चुके हैं। लेकिन इसको अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करने के आदेश के बाद विरोध के स्वर उभरने लगे। जिसके बाद विपक्ष ने आरोप लगाया कि इसके जरिये व्यक्ति की निजता का अतिक्रमण करके उसके जीवन में ताक-झांक की जा सकती है। हालांकि, विरोध के सुर मुखर होने के बाद सरकार की ओर से स्पष्टीकरण आया कि यह निर्णय वैकल्पिक है और कोई व्यक्ति इस ऐप को इच्छानुसार डिलीट कर सकता है। निस्संदेह, निजता हमारा मौलिक अधिकार है। ऐसे में किसी ऐप की अनिवार्यता से व्यक्ति की गोपनीयता में खलल पड़ने की आशंका जतायी जाने लगी। पिछले दिनों सरकार ने व्हाट्स ऐप व टेलीग्राम आदि कम्युनिकेशन ऐप्स संचालक कंपनियों से कहा था कि वे अपनी सेवा को मोबाइल के सिम कार्ड से जोड़कर रखें। ताकि सिम के बिना इन ऐप का दुरुपयोग न हो सके। जिसको लेकर टेलि-कम्युनिकेशन कंपनियों ने सकारात्मक प्रतिसाद दिया था। निस्संदेह, निजता का अधिकार देश में मौलिक अधिकार के रूप में मौजूद है। शीर्ष अदालत ने भी अपने एक निर्णय के जरिये स्पष्ट किया था कि जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता संविधान के अनुच्छेद 21 में 'राइट टू प्राइवेसी' में भी निहित है। जिसके अंतर्गत मोबाइल, इंटरनेट व डिजिटल जानकारियां भी शामिल हैं। ऐसे में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों से इतर व्यक्ति को अपनी डिजिटल संप्रभुता की सुरक्षा का हक है। यही वजह है कि विगत में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि मोबाइल व निजी कंपनियां उपभोक्ता से आधार कार्ड नहीं मांग सकती। इस फैसले को तब निजता की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया था। यही वजह है कि 'संचार साथी' की अनिवार्यता के बाद निजता व व्यक्ति के डेटा में सरकारी दखल को लेकर सवाल उठने लगे। निस्संदेह, आज के डिजिटल युग में व्यक्ति का डेटा बेहद महत्वपूर्ण है। जिसकी हर कीमत पर सुरक्षा की जानी चाहिए। वहीं इसके साथ ही इस बात की भी पड़ताल होनी चाहिए कि कहीं कुछ अन्य ऐप हमारे डेटा में तो सेंध नहीं लगा रहे हैं? सरकार को इससे उपभोक्ता की सुरक्षा करनी होगी।

क्यों हो रहा है भारतीय रुपए का अवमूल्यन

(लेखक - प्रहलाद सबनानी)

माह जनवरी 2025 में भारतीय रुपए का अंतरराष्ट्रीय बाजार में मूल्य 85.79 रुपया प्रति अमेरिकी डॉलर था। 3 दिसम्बर 2025 को रुपए का बाजार मूल्य लगभग 5 प्रतिशत घटकर 90.19 रुपया प्रति डॉलर हो गया। पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए का बाजार मूल्य लगातार गिर रहा है और हाल ही के समय में रुपए के बाजार मूल्य में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर पिछली 8 तिमाहियों में सबसे अधिक रिकार्ड 8.2 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ी है तथा खुदरा मुद्रा स्फीति की दर 0.25 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई है। भारत में वृहद अर्थव्यवस्था के विभिन्न मानदंडो के मजबूत बने रहने के बावजूद एशियाई देशों के बीच भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में सबसे तेज गति से गिरी है।

दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत में गिरावट के मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर आर्थिक जगत में घट रही कुछ घटनाओं में छुपे हुए हैं, अन्यथा भारतीय अर्थव्यवस्था तो मजबूत स्थिति में बनी हुई है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के होने वाले आयात पर टैरिफ की दरों में वृद्धि किए जाने से वैश्विक स्तर पर विदेश व्यापार में लगातार दबाव बना हुआ है। भारत से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के निर्यात पर तो 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया गया है, जिसके चलते भारत से कुछ उत्पादों यथा, रेडीमेड गारमेंट्स, कृषि उत्पाद, लेदर उत्पाद, समुद्री जीवों का उत्पाद, जेम्स एवं ज्वेलरी आदि के अमेरिका को होने वाले निर्यात विपरीत रूप से प्रभावित हो रहे हैं एवं इससे भारत को अमेरिकी डॉलर का अंतरप्रवाह कम हो रहा है और व्यापार घाटे में वृद्धि दर्ज हो रही है। पिछली तिमाही के दौरान भारत के कुल आयात 18,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे हैं जबकि निर्यात केवल 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे। इस प्रकार, 8,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का व्यापार घाटा दर्ज हुआ है। अक्टोबर 2025 माह में भी भारत का विदेशी व्यापार घाटा 4,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिकार्ड स्तर के ऊपर रहा है। यह, भारत के लिए अच्छी खबर नहीं कही जा सकती है। इससे, भारत में चूंकि अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ रही है अतः भारतीय रुपए के मूल्य पर दबाव बढ़ रहा है। दूसरे, विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार में पूर्व में किए गए अपने निवेश पर लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से एवं अपने निवेश को तेजी से उभर रहे अन्य देशों के शेयर बाजार में अपने निवेश को बढ़ाने के उद्देश्य से, पिछले कुछ समय से, भारतीय पूंजी बाजार से लगातार अपने निवेश को निकाल रहे हैं। वर्ष 2025 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 1.48 लाख करोड़ रुपए (1,640 करोड़ अमेरिकी डॉलर) मूल्य की निकासी की है। विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय शेयर बाजार से की जा रही निवेश की निकासे के चलते भी भारतीय रुपए पर दबाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है, क्योंकि वे भारत में अमेरिकी डॉलर में किए गए अपने निवेश को अमेरिकी डॉलर में ही निकाल रहे हैं और इससे अमेरिकी डॉलर की कीमत (मांग) बढ़ रही है तथा रुपए की कीमत गिर रही है। वैसे तो सामान्यतः अंतरराष्ट्रीय बाजार में किसी भी देश द्वारा अपनी मुद्रा के मजबूत बने रहने की कामना की जाती है क्योंकि इससे मुद्रा बाजार में स्थिरता बनी रहती है एवं विदेशी निवेशक अमेरिकी डॉलर में अपना निवेश बढ़ाने पर विचार पक्का करते हैं। परंतु, इसके विपरीत, अंतरराष्ट्रीय बाजार में यदि किसी देश की मुद्रा का अवमूल्यन होने लगता है तो उस देश में आयात होने वाले उत्पादों की कीमत महंगी हो जाती है। परंतु, इससे देश के निर्यातकों को जरूर लाभ होता है क्योंकि अमेरिकी डॉलर के एवज में उन्हें अधिक स्थानीय मुद्रा की प्राप्ति होती है। इस सिद्धांत के अनुसार ही, अंतरराष्ट्रीय बाजार में रूपए की कीमत के गिरने से भारत द्वारा अन्य देशों से किए जाने वाले विभिन्न उत्पादों के आयातित उत्पाद भारतीय बाजारों में भी महंगे हो सकते हैं इस प्रकार अन्य देशों से मुद्रा स्फीति का आयात भारत में होने लग सकता है। उदाहरण के लिए भारत द्वारा कच्चे तेल के आयात की कीमत, भारतीय रुपए के अवमूल्यन के चलते, यदि बढ़ जाती है तो इससे भारत में मुद्रा स्फीति की दर भी बढ़ जाएगी क्योंकि भारत में अब कच्चे तेल का आयात उंची दरों पर हो रहा होगा। इसके ठीक विपरीत, भारत के निर्यातकों को अपने विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर अमेरिकी डॉलर के एवज में अधिक रुपए की प्राप्ति होने लगेगी, इससे उन्हें अधिक लाभ होने की सम्भावना बढ़ जाएगा। इन परिस्थितियों के बीच, सामान्यतः भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारतीय रुपए के मूल्य में तेज गति से हो रहे अवमूल्यन को रोकने की दृष्टि से अमेरिकी डॉलर की बाजार में उपलब्धता बढ़ाते हुए मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप किया जाता है। मध्य सितम्बर 2025 की अवधि तक भारतीय रिजर्व बैंक ने 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर बाजार में उपलब्ध कराए थे। परंतु, हाल ही के समय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस संबंध में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है। दरअसल, वैश्विक स्तर पर विदेशी व्यापार में निर्मित हुई अस्थिरता की स्थिति से भारतीय निर्यातकों को बचाने की दृष्टि से भी भारतीय रुपए का अवमूल्यन होने दिया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए के हो रहे अवमूल्यन के भारतीय अर्थव्यवस्था पर होने वाले विपरीत प्रभाव से भारतीय अर्थव्यवस्था को बचाने के उद्देश्य से भारत के पास 68,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर का मजबूत विदेश मुद्रा भंडार उपलब्ध है। भारतीय रिजर्व बैंक जब भी चाहे इस विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करते हुए भारतीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की उपलब्धता को बढ़ा सकता है। परंतु, यदि लम्बी अवधि की दृष्टि से देखा जाय तो भारत को विभिन्न उत्पादों के आयात घटाकर, विभिन्न उत्पादों के निर्यात में वृद्धि करते हुए अपने विदेशी व्यापार घाटे पर नियंत्रण स्थापित करना होगा। भारत में मुख्य रूप से कच्चा तेल एवं स्वर्ण का सबसे अधिक आयात किया जाता है। कच्चे तेल के आयात को कम करने हेतु एवं अपनी ऊर्जा की लगातार बढ़ती जरूरतों को पूरा करने हेतु भारत को नवीकरणीय ऊर्जा (ग्रीन ऊर्जा) के उत्पादन को बढ़ाना ही होगा। केंद्र सरकार इस संदर्भ में बहुत प्रयास कर रही है एवं अपनी ऊर्जा की जरूरतों को, विंड पावर एवं सौर ऊर्जा के उत्पादन में वृद्धि करते हुए, पूरा करने के प्रयास कर रही है। इसमें बहुत अच्छी सफलता भी मिलती हुई दिखाई दे रही है। इसी प्रकार, स्वर्ण के उत्पादन को भारत में ही बढ़ाकर इसके आयात को किस प्रकार कम किया जा सकता है, इस विषय पर भी गम्भीरता से विचार किए जाने की आवश्यकता है।

चिंतन मनन

ईश्वर का दोस्त

एक संत ने एक रात स्वप्न देखा कि उनके पास एक देवदूत आया है। देवदूत के हाथ में एक सूची थी। उसने कहा, यह उन लोगों की सूची है, जो प्रभु से प्रेम करते हैं। संत ने कहा, मैं भी प्रभु से प्रेम करता हूं। मेरा नाम तो इसमें अवश्य होगा। देवदूत बोला, नहीं, इसमें आप का नाम नहीं है। संत उदास हो गए।

फिर उन्होंने पूछा, इसमें मेरा नाम क्यों नहीं है? मैं ईश्वर से ही प्रेम नहीं करता बल्कि गरीबों से भी प्रेम करता हूं। मैं अपना अधिकतर समय निर्धनों की सेवा में लगाता हूं। उसके बाद जो समय बचता है उसमें प्रभु का स्मरण करता हूं। तभी संत की आंख खुल गई। दिन में वह स्वप्न को याद कर उदास थे। एक शिष्य ने उदासी का कारण पूछा तो संत ने स्वप्न की बात बताई और कहा, लगता है सेवा करने में कहीं कोई कमी रह गई है। दूसरे दिन संत ने फिर वही स्वप्न देखा। वही देवदूत फिर उनके सामने खड़ा था। इस बार भी उसके हाथ में कागज था। संत ने बेरुखी से कहा, अब क्यों आए हो मेरे पास? मुझे प्रभु से कुछ नहीं चाहिए।

देवदूत ने कहा, आपको प्रभु से कुछ नहीं चाहिए, लेकिन प्रभु का तो आप पर भरोसा है। इस बार मेरे हाथ में दूसरी सूची है। संत ने कहा, तुम उनके पास जाओ जिनके नाम इस सूची में हैं। मेरे पास क्यों आए हो? देवदूत बोला, इस सूची में आप का नाम सबसे ऊपर है। यह सुन कर संत को आश्चर्य हुआ।

बोले, क्या यह भी ईश्वर से प्रेम करने वालों की सूची है। देवदूत ने कहा, नहीं, यह वह सूची है जिन्हें प्रभु प्रेम करते हैं। ईश्वर से प्रेम करने वाले तो बहुत हैं, लेकिन प्रभु उसको प्रेम करते हैं जो गरीबों से प्रेम करते हैं। प्रभु उसको प्रेम नहीं करते जो दिन रात कुछ पाने के लिए प्रभु का गुणगान करते रहते हैं।

विचार मंथन

धार्मिक ध्रुवीकरण की युद्ध भूमि बना पश्चिम बंगाल

(लेखक - सनत जैन)

राजनीति में धर्म का इस्तेमाल किस तरह किया जा सकता है, इसकी विशेषज्ञता संघ और भाजपा के अतिरिक्त अन्य किसी के पास नहीं है। पश्चिम बंगाल में कुछ माह पश्चात विधानसभा चुनाव होने हैं। उसके लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी ने वर्षों पहले से तैयारी शुरू कर दी थी। इसका उदाहरण है, वंदे मातरम की 150 वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंदे मातरम को विवादित बनाया। वंदे मातरम के माध्यम से हिंदुओं के बीच में ध्रुवीकरण पैदा कर दिया। वंदे मातरम को लेकर सारे देश में एक नई बहस शुरू हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इतिहास को अपने ढंग से प्रस्तुत कर भारत विभाजन का ठीकरा कांग्रेस के स्वतंत्रता सेनानियों के सिर पर फोड़ दिया। 1947 में वंदे मातरम के एक हिस्से को अलग करके विभाजन के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहरा दिया। इसके बाद मुर्शिदाबाद से भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ चुके हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के निर्माण का ऐलान 6 दिसंबर को कर दिया। वह टीएमसी में आ गए थे, जिसके कारण भाजपा को विवाद का विषय बनाने का कारण बना। टीएमसी ने हुमायूं कबीर को पार्टी से निष्कासित कर दिया है, लेकिन अब यह मामला बड़ा तूल पकड़ता जा रहा है। पिछले एक सप्ताह से गोदी मीडिया के सभी चैनल इसे हवा दे रहे हैं। 6 दिसंबर को टीवी चैनलों द्वारा विशेष कार्यक्रम बनाकर मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के शिलान्यास कार्यक्रम को दिखाया गया है। पश्चिम बंगाल में धार्मिक ध्रुवीकरण पैदा करने की कोशिश की गई है। उसको देखते हुए आसानी से समझा जा सकता है कि पश्चिम बंगाल में चुनाव किस तरह से लड़ा जाएगा। तीसरा मामला कोलकाता में सनातन संस्कृति द्वारा गीता पाठ का आयोजन करना है। इसमें लाखों लोगों को आमंत्रित किया गया। बाबा रामदेव और धीरेंद्र शास्त्री जैसे तथाकथित बाबा गीता पाठ के इस आयोजन में शामिल होने के लिए कोलकाता पहुंचे। चुनाव किस तरह से लड़ा जाता है, किस तरह से चुनाव जीता जाता है। किस तरह धार्मिक ध्रुवीकरण के माध्यम से मतदाताओं को लामबंद किया जा सकता है, इसको बीजेपी और संघ से बेहतर कोई नहीं जानता है। जिस पश्चिम बंगाल में भाजपा को पैर रखने को जगह नहीं मिल रही थी, उसी पश्चिम बंगाल में पिछले एक दशक में जिस तरह से भाजपा ने अपने पैर जमाए हैं उससे समझा जा सकता है, कि किस तरह धार्मिक धुर्वीकरण की राजनीति कर सत्ता के सिंहासन तक पहुंचा जा सकता है। पश्चिम बंगाल में चुनाव के पहले जिस तरह का नेरेटिव भारतीय जनता पार्टी ने सेट कर दिया है, उसके बाद यह माना जाने लगा है, जिस तरह से बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने महिलाओं को 10,000 रुपये देकर एक नेरेटिव सेट कर दिया था। इस नेरेटिव के आधार पर विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर भाजपा उभरी है। बिहार विधानसभा के चुनाव परिणाम सभी के लिए आश्चर्य चकित करने वाले रहे हैं। वही आश्चर्य अब पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में देखने को मिलेगा, इसमें कोई संदेह नहीं है। जिस तरह से चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल में एसआईआर करा रहा है। चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट का संरक्षण प्राप्त है। ऐसी स्थिति में बिहार के विधानसभा चुनाव जैसे परिणाम पश्चिम बंगाल में आते हैं तो किसी को भी आश्चर्य नहीं होना चाहिए। संघ और भारतीय जनता पार्टी चुनाव जीतने के लिए वर्षों पहले से योजना तैयार करती है। उसके लिए बाकायदा मेहनत करती है। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने हिंदुओं को टीएमसी से अलग करने में काफी हद तक सफलता प्राप्त कर ली है। मुसलमान वोट बैंक को भाजपा विभाजित नहीं कर पा रही थी। भाजपा ने हुमायूं कबीर के रूप में पश्चिम बंगाल का मुसलमान बाबरी मस्जिद की आड़ में खड़ा कर दिया है। जो पश्चिम बंगाल में टीएमसी से मुसलमानो की दूरियां बढ़ाने के लिए काम करेगा। जिस तरह से एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी दक्षिण और उत्तर भारत के राज्यों में मुसलमान वोटों को विभाजित करने का काम करते हैं, इसका फायदा भाजपा को होता है। ओवैसी की तरह यह काम पश्चिम बंगाल में अब हुमायूं कबीर करेंगे। चुनाव के पहले भाजपा और संघ ने विभाजन की बिसात बिछा दी है।

चुनाव आयोग और न्यायपालिका का संतुलन भाजपा के पक्ष में है। ऐसी स्थिति में जो परिणाम पश्चिम बंगाल में भाजपा चाहती है, वह मिलना तय माना जा रहा है। गीता पाठ, वंदे मातरम को लेकर हिंदुओं की बड़ी आबादी को भाजपा ने प्रभावित करने की जो रणनीति अपनाई है, उसकी कोई काट टीएमसी और कांग्रेस के पास नहीं है। मुसलमानो के बीच बाबरी मस्जिद की शहादत को लेकर भावात्मक लहर से मुस्लिम मतदाताओं के बीच जो बंटवारा कराना था, उसका नॉरेटिव भी भाजपा ने सेट कर दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंडिगो बोर्ड ने रद्द और विलंबित उड़ानों पर संकट प्रबंधन समूह का गठन किया

- जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी

मुंबई । इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड (इंडिगो) के बोर्ड ने हाल ही में बढ़ती उड़ान रद्द और विलंब की समस्याओं के मद्देनजर संकट प्रबंधन समूह (सीएमजी) का गठन किया है। एयरलाइन ने रविवार को जारी बयान में कहा कि समूह नियमित रूप से बैठक कर हालात की निगरानी कर रहा है और सामान्य संचालन बहाल करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी प्रबंधन द्वारा दी जा रही है। डीसीए (नागर विमानन विभाग) ने एक दिन पहले एयरलाइन के सीईओ पीटर एल्बर्स और सीओओ इसिड्रो पोरकेरस को बड़े पैमाने पर उड़ान बाधाओं पर 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण देने का नोटिस जारी किया था। वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि प्राधिकरण जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई करेगा। बोर्ड की बैठक में संकट की गंभीरता और दायरे पर विस्तृत जानकारी दी गई। सीएमजी में शामिल हैं- चेयरमैन विक्रम सिंह मेहता, निदेशक मंडल सदस्य ग्रेग सारेट्स्की, माइक व्हिटेकर, अमिताभ कांत और सीईओ पीटर एल्बर्स। एयरलाइन ने कहा कि बोर्ड यात्रियों की परेशानियों के समाधान और रिफंड सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

सीएट टायर कंपनी वैश्विक बाजारों में विस्तार के लिए तैयार

यूरोप और अमेरिका पर फोकस, क्षेत्र-विशेष टायर निर्माण और निर्यात बढ़ाने की रणनीति

नई दिल्ली । आरपीजी समूह की टायर कंपनी सीएट ने वैश्विक विस्तार की अपनी रणनीति पर जोर दिया है। कंपनी यूरोप और अमेरिका जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए विशेष टायर विकसित कर रही है ताकि निर्यात बढ़ाया जा सके और वैश्विक ब्रांड के रूप में अपनी पहचान बनाई जा सके। कंपनी के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि कंपनी की कुल आय में निर्यात की हिस्सेदारी वर्तमान में 20 प्रतिशत है, जिसे आने वाले वर्षों में बढ़ाने की योजना है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी और यूरोपीय बाजार में वृद्धि पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सीएट विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों और मौसम की स्थितियों के अनुसार टायर बनाती है। उदाहरण के लिए यूरोप में घुमावदार सड़कें हैं जबकि अमेरिका और पश्चिम एशिया में ज्यादातर सीधी सड़कें हैं। कंपनी नॉर्डिक क्षेत्र, जर्मनी और अन्य स्थानों पर टायर का परीक्षण कर रही है। वर्तमान बिक्री संरचना के अनुसार 60 प्रतिशत बिक्री पुराने टायरों के रिप्लेसमेंट से, 20 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय बाजार से और 20-25 प्रतिशत बिक्री ओईएम को होती है। सभी क्षेत्र सकारात्मक दिख रहे हैं और कंपनी भविष्य की वृद्धि के लिए आशावादी है। उन्होंने घरेलू टायर उद्योग के उज्ज्वल भविष्य पर भी भरोसा जताया।

स्पोर्ट्स कम्यूटर बाइक पल्सर एन 160 का नया वैरिएंट लॉन्च

नई दिल्ली । ऑटोमोबाइल क्षेत्र की स्वदेशी कंपनी बजाज ऑटो ने अपनी लोकप्रिय स्पोर्ट्स कम्यूटर बाइक पल्सर एन 160 का नया वैरिएंट लॉन्च किया है। इस वैरिएंट की एक्स-शोरूम कीमत 1,23,983 रुपये रखी गई है। यह बाइक देशभर में बाजाज के सभी डीलरशिप पर उपलब्ध होगी। नया मॉडल गोल्ड यूएसडी फोर्क्स और सिंगल-सीट सेटअप के साथ पेश किया गया है, जो राइडर्स को बेहतर कम्फर्ट और स्टेबिलिटी देता है। कंपनी ने यह मॉडल उन राइडर्स के लिए तैयार किया है जो रोजमर्रा की राइडिंग में प्रीमियम अनुभव और बेहतर कंट्रोल चाहते हैं। नया सिंगल-सीट सेटअप बाइक की स्पोर्टी पोजिशन बनाए रखता है और इसे देखने में भी अधिक आकर्षक बनाता है। गोल्डन यूएसडी फोर्क्स बाइक को बेहतर स्टेबिलिटी, क्रिक हैंडलिंग और दमदार रोड प्रेजेंस प्रदान करते हैं। डिजाइन के मोर्चे पर, नई पल्सर एन 160 चार कलर ऑप्शन - पर्ल मेटालिक व्हाइट, रेसिंग रेड, पोलर स्काय ब्ल्यू और ब्लेक - में उपलब्ध है। बाइक का मस्कुलर टैंक और शार्प पैनल्स इसके प्रीमियम लुक को बढ़ाते हैं। सिंगल-सीट लेआउट इसे साफ-सुथरा और स्पोर्टी स्टांस देता है।

इस सप्ताह महंगाई, विदेशी निवेश और वैश्विक संकेत रहेंगे फोकस में

- अमेरिका की फेड बैठक से ब्याज दरों का फैसला बाजार की दिशा तय करेगा

अमेरिका-भारत संभावित व्यापार समझौते पर निवेशकों की नजर

मिडकैप और स्मॉलकैप में मूल्य आधारित खरीदारी संभव

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए आगामी सप्ताह महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सरकार 12 दिसंबर को खुदरा महंगाई (सीपीआई) के आंकड़े जारी करेगी। अक्टूबर में महंगाई लगभग 0.25 फीसदी दर्ज की गई थी। इस बार यदि महंगाई नियंत्रित रहती है, तो निवेशकों को राहत मिलेगी और बाजार में तेजी की उम्मीद बढ़ सकती है। वहीं महंगाई बढ़ने की स्थिति में बाजार सतर्क रवैया अपना सकता है। उसी दिन विदेशी मुद्रा भंडार और आर्थिक वृद्धि (जीडीपी) से जुड़े आंकड़े भी सामने आएंगे। विदेशी मुद्रा भंडार में उतार-चढ़ाव रुपये की स्थिति और विदेशी निवेश धारणा पर असर डालता है, जिससे बाजार की दिशा पर सीधे प्रभाव पड़ता है। वैश्विक कारक भी अगले सप्ताह बाजार को प्रभावित करेंगे। अमेरिका की फेडरल रिजर्व बैठक से ब्याज दरों पर फैसला आएगा। दरों में स्थिरता या कटौती का संकेत भारतीय बाजार के लिए सकारात्मक रहेगा, जबकि बढ़ोतरी या सख्त रुख की स्थिति वैश्विक बाजारों में दबाव ला सकती है। इसके अलावा अमेरिका के रोजगार डेटा, औद्योगिक उत्पादन और मुद्रास्फीति से जुड़े संकेत भी निवेशकों की नजर में रहेंगे। हाल ही में रूस-भारत संबंधों में प्रगति हुई है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने रक्षा, व्यापार, अर्थव्यवस्था, शिक्षा और संस्कृति समेत 16 समझौते किए। पुतिन ने भारत को ईंधन की निरंतर आपूर्ति का आश्वासन भी दिया। वहीं, अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते की बातचीत भी जारी है। निवेशक इस संतुलन और सकारात्मक संकेतों पर नजर रखेंगे। मिडकैप और स्मॉलकैप में हाल की कमजोरी के बाद मूल्य आधारित खरीदारी लौट सकती है। आईटी और मेटल सेक्टर पर निगाह बनी रहेगी। ऊर्जा और एफएमसीजी सेक्टर में फिलहाल स्थिर दृष्टिकोण रहने की संभावना है।

नाल्को अगले साल जून तक ओडिशा में पोटांगी बॉक्साइट खदान शुरू करेगा

- खनन क्षमता और एल्यूमिनियम उत्पादन बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की नेशनल एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) अगले साल जून तक ओडिशा के कोरापुट जिले में पोटांगी बॉक्साइट खदान शुरू करने की योजना बना रही है। यह कदम कंपनी की खनन क्षमता बढ़ाने और एकीकृत एल्यूमिनियम कारोबार के विस्तार के उद्देश्य से उठाया गया है। पोटांगी बॉक्साइट खदान के विकास और संचालन के लिए दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड को एल-1 बोलीदाता चुना गया है। नाल्को के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि खदान समय पर चालू होगी। नाल्को अपने दामनजोडी रिफाइनरी में 22.75 लाख टन सालाना क्षमता वाले एल्यूमिना उत्पादन को बढ़ाने की योजना बना रही है। इसके लिए ओडिशा सरकार ने पोटांगी बॉक्साइट भंडार का 697.979 हेक्टेयर क्षेत्र में 50 साल के लिए खनन पट्टा नाल्को को दिया है। सीएमडी ने कहा कि यदि पोटांगी से उत्पादन में कोई देरी हुई, तो वैकल्पिक स्रोत से बॉक्साइट की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

बच्चों के भविष्य की सुरक्षा के लिए एलआईसी ने पेश की अमृत बाल' पॉलिसी

- बच्चों की उम्र- न्यूनतम 30 दिन से अधिकतम 13 वर्ष

नई दिल्ली । आज के समय में बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करना हर माता-पिता की प्राथमिक चिंता बन गई है। बढ़ती शिक्षा लागत, प्रोफेशनल कोर्स की फीस और शादी जैसे बड़े खर्चों को देखते हुए एलआईसी ने 'अमृत बाल' पॉलिसी लॉन्च की है। यह पॉलिसी बच्चों के लिए दीर्घकालिक बचत और बीमा सुरक्षा दोनों प्रदान करती है। 'अमृत बाल' नॉन-लिंक्ड लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी विशेष रूप से बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए बनाई गई है। इस पॉलिसी को बच्चे के नाम पर लिया जा सकता है, जिसकी उम्र न्यूनतम 30 दिन और अधिकतम 13 वर्ष हो सकती है। पॉलिसी मैच्योरिटी बच्चे की उम्र 18 से 25 वर्ष पर मिलती है, जिससे शिक्षा, करियर या शादी के महत्वपूर्ण अवसरों पर आर्थिक मदद उपलब्ध होती है। इस योजना में न्यूनतम बीमा राशि 2 लाख रुपए है, जबकि अधिकतम राशि की कोई सीमा नहीं है। ग्राहक मासिक, तिमाही, छमाही या वार्षिक प्रीमियम भुगतान कर सकते हैं। इसके अलावा सिंगल प्रीमियम या 5, 6 और 7 साल की सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि का विकल्प भी उपलब्ध है। पॉलिसी ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यम से आसानी से खरीदी जा सकती है। पॉलिसी में वेवर बेनिफिट राइडर भी शामिल है, जो माता-पिता की अचानक मृत्यु या गंभीर स्थिति में बाकी प्रीमियम माफ करता है। इसके अलावा हर साल मिलने वाला गारंटीड बोनस निवेश को और मजबूत बनाता है। जरूरत पड़ने पर पॉलिसीधारक शर्तों के अनुसार लोन भी ले सकते हैं।

रुपए में गिरावट का शेयर बाजार में दिखने लगा असर

विदेशी-निवेशकों ने 7 दिन में निकाले 11,820 करोड़

मुंबई।

फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स ने दिसंबर के पहले हफ्ते में भारतीय शेयर बाजार से 11,820 करोड़ रुपए (1.3 बिलियन डॉलर) निकाल लिए। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस निकासी की मुख्य वजह रुपए की तेज गिरावट रही। विदेशी निवेशकों ने नवंबर में 3,765 करोड़ की निकासी की थी। 2025 में अब तक कुल 1.55 लाख करोड़ रुपए (.17.7 बिलियन) निकाल चुके हैं। हालांकि घरेलू निवेशकों ने पहले हफ्ते में 19,783 करोड़ की खरीदारी की। इससे फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स निकासी का प्रभाव बाजार पर सीमित रहा। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट विजयकुमार ने कहा, रुपए की 5 प्रतिशत गिरावट ने फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स को निकासी के लिए मजबूर किया। वहीं एंजेल वन के सीनियर फंडामेंटल एनालिस्ट वकार जावेद खान ने कहा, ईयर-एंड पोर्टफोलियो रीपोजिशनिंग और इंडिया-यूएस ट्रेड डील में देरी ने ग्लोबल सेंटिमेंट खराब किया है। अक्टूबर में फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स ने भारतीय इक्विटी में 14,610 करोड़ रुपए का निवेश किया था, जो जुलाई से सितंबर तक चले तीन महीनों की बिकवाली की लाइन को तोडने वाला था। उस दौरान जुलाई में 17,700 करोड़, अगस्त में 34,990 करोड़ और सितंबर में 23,885 करोड़ रुपए निकाले गए थे। इस साल अब तक कुल मिलाकर विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार से 1.43 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की निकासी की है। डेट मार्केट में हालात थोड़े बेहतर हैं, जहां जनरल लिमिट के तहत 8,114 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, लेकिन वॉलंटरी रिटेंशन रूट से 5,053 करोड़ रुपए निकाले गए।

इस साल 5 प्रतिशत तक गिरा रुपया

इससे पहले रुपया 4 दिसंबर को डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर पर आ गया था। आज डॉलर के मुकाबले रुपया 28 पैसे गिरकर 90.43 के स्तर पर आ गया था। रुपया 2025 में अब तक करीब 5 प्रतिशत कमजोर हो चुका है। 1 जनवरी को रुपया डॉलर के मुकाबले 85.70 के स्तर पर था। आगे की राह पर नजर डालें तो दिसंबर में फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स एक्टिविटी ज्यादातर अमेरिकी फेड रिजर्व के रेट कट सिग्नल्स और भारत-अमेरिका ट्रेड एग्रीमेंट की प्रोग्रेस पर निर्भर करेगी। अगर ये पॉजिटिव रहे तो बाजार में वापसी हो सकती है, नहीं तो बिकवाली का सिलसिला जारी रह सकता है।

वैश्विक खाद्य कीमतों में नवंबर में गिरावट, उपभोक्ताओं को मिली राहत

- एफएओ वैश्विक खाद्य मूल्य सूचकांक- नवंबर में 125.1 अंक, अक्टूबर की तुलना में 1.2 फीसदी कम

नई दिल्ली ।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की रिपोर्ट के अनुसार नवंबर 2025 में वैश्विक खाद्य कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। एफएओ का वैश्विक खाद्य मूल्य सूचकांक 125.1 अंक पर रहा, जो अक्टूबर की तुलना में 1.2 फीसदी कम है और मार्च 2022 के रिकॉर्ड स्तर से करीब 22 फीसदी नीचे है। वर्ष-दर-वर्ष आधार पर भी यह नवंबर 2024 की तुलना में 2.1 फीसदी कम रहा। दूध, तेल, चीनी और मीट जैसी प्रमुख वस्तुएं सस्ती हुईं, जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिली। हालांकि अनाज के दाम बढ़े। अनाज मूल्य सूचकांक नवंबर में 105.5 अंक पर पहुंचा, जो अक्टूबर से 1.8 फीसदी अधिक है। गेहूं के दाम 2.5 फीसदी बढ़े, कारण चीन का अमेरिका से बड़ा आयात, ब्लैक सी क्षेत्र में तनाव और रूस में कम बुवाई का अनुमान है। मक्के की कीमतें ब्राजील में मजबूत मांग और अर्जेंटीना-ब्राजील में बारिश के कारण बढ़ीं। जौ और ज्वार की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई, जबकि चावल मूल्य सूचकांक 1.5 फीसदी घटा। खाद्य तेल मूल्य सूचकांक 165 अंक पर पहुंचा, जिसमें 2.6 फीसदी की कमी आई। पाम, सूरजमुखी और रेपसीड तेल सस्ते हुए, जबकि सोया तेल ब्राजील में बढ़ती बायोडीजल मांग के कारण महंगा हुआ। चीनी मूल्य सूचकांक 88.6 अंक पर पहुंचा, जो अक्टूबर से 5.9 फीसदी और पिछले साल से 29.9 फीसदी कम है।

ब्राजील में गन्ना इथेनॉल की बजाय चीनी उत्पादन में गया, भारत में फसल अच्छी रही और थाईलैंड में अनुकूल मौसम ने उत्पादन बढ़ने की उम्मीद को मजबूती दी। नवंबर 2025 उपभोक्ताओं के लिए राहत भरा रहा, क्योंकि अधिकांश खाद्य वस्तुएं सस्ती हुईं, जबकि अनाज के कुछ उत्पादों में कीमतों में उछाल देखने को मिला।

वर्लपूल इंडिया की हिस्सेदारी बिक्री पर ब्रेक

- 1 अरब डॉलर की डील वैल्यूएशन विवाद में फेल

नई दिल्ली । अमेरिकी घरेलू उपकरण निर्माता वर्लपूल की भारतीय इकाई की बिक्री को लेकर चल रही बड़ी डील अचानक ठंडे बस्ते में चली गई है। ग्लोबल प्राइवेट इक्विटी दिग्गज एडवेंट इंटरनेशनल इस सौदे में प्रमुख दावेदार था, लेकिन वैल्यूएशन पर सहमति न बनने के कारण बातचीत आगे नहीं बढ़ सकी। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि दोनों पक्षों ने इस पर चुप्पी साध ली है, जबकि एडवेंट ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और वर्लपूल ने रॉयटर्स के सवालों का जवाब नहीं दिया। वर्लपूल कॉर्प अपनी भारतीय सहायक कंपनी में 51 फीसदी हिस्सेदारी रखती है और जनवरी में उसने इसे घटाकर करीब 20 फीसदी तक लाने की योजना जताई थी। कंपनी वैश्विक एसेट रीऑर्गनाइजेशन के तहत अपना कर्ज कम करना चाहती है और अनुमान था कि हिस्सेदारी बेचकर उसे 550-600 मिलियन डॉलर तक की नकदी मिल सकती है। एडवेंट यदि 31 फीसदी हिस्सेदारी खरीदता, तो भारतीय नियमों के अनुसार उसे अतिरिक्त 26 फीसदी के लिए ओपन ऑफर देना पड़ता। इस तरह डील का कुल मूल्य लगभग 1 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद थी। सूत्रों के मुताबिक डील फेल होने का मुख्य कारण भारतीय बाजार में वर्लपूल के सामने खड़ी अल्पकालिक चुनौतियां रहीं। सख्त प्रोडक्ट स्टैंडर्ड्स और ऊर्जा दक्षता नियमों ने कंपनी पर लागत का दबाव बढ़ाया है।

इस सप्ताह देशभर में सोने-चांदी के दामों में तेजी जारी रही

सोना 330 रुपये बढ़ा, चांदी ने अचानक भरी 5000 रुपये की उड़ान!

नई दिल्ली ।

देशभर में सोने की कीमतों में इस हफ्ते तेजी जारी रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 1,30,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है, जो पिछले सात दिनों में 330 रुपये की बढ़ोतरी है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,19,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। मुंबई और कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,30,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। चेन्नई में 24 कैरेट सोने का भाव 1,31,350 रुपये और 22 कैरेट 1,20,400 रुपये प्रति 10 ग्राम है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की चमक कायम है। सोना हाजिर बाजार में 4,223.76 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार फेडरल रिजर्व की आगामी बैठक में ब्याज दरों में कटौती की संभावना से निवेशक सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख कर सकते हैं, जिससे कीमतों में और तेजी आने की संभावना है। दिल्ली में पिछले 10 दिनों में सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। 24 कैरेट सोना 12,861 रुपये से बढ़कर 13,030 रुपये प्रति ग्राम हो गया है। 22 कैरेट सोना भी इसी अवधि में 11,790 रुपये से बढ़कर 11,945 रुपये प्रति ग्राम पर पहुंचा है। वहीं सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी जबरदस्त तेजी है। 30 नवंबर को 1,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही चांदी वर्तमान में 1,90,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी 58.17 डॉलर प्रति औंस दर्ज की गई है और विशेषज्ञों का मानना है कि यह जल्द ही 70 डॉलर प्रति औंस तक जा सकती है। इस साल सोने में अब तक 60 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो निवेशकों के लिए आकर्षक विकल्प बना हुआ है।

एयर इं डिया और एयर इं डिया एक्सप्रेस ने कई महत्वपूर्ण उपाय घोषित किए

- किराए पर लगाम से लेकर फ्री कैंसलेशन तक की देगी सुविधा

नई दिल्ली ।

देशभर में उड़ानों के बड़े पैमाने पर रद्द होने और देरी के कारण यात्रियों को हो रही परेशानियों को देखते हुए एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कई महत्वपूर्ण राहत उपायों की घोषणा की है। दोनों एयरलाइनों ने बताया कि इन कदमों का उद्देश्य फंसे हुए यात्रियों को शीघ्र गंतव्य तक पहुंचाना और किराए में अनिश्चित बढ़ोतरी को रोकना है। एयरलाइनों ने 4 दिसंबर से घरेलू नॉन-स्टॉप उड़ानों में इकोनॉमी क्लास किराए सीमित करने का फैसला किया है, ताकि व्यवधान की स्थिति में अचानक बढ़ते किराए से यात्रियों को बचाया जा सके। साथ ही, दोनों कंपनियां नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा 6 दिसंबर को जारी नए किराया निर्देशों का पालन कर रही हैं। यात्रियों को और सुविधा देने के लिए टिकट बदलने व रद्द करने पर एक बार की विशेष छूट दी गई है। जिन यात्रियों ने 4 दिसंबर तक टिकट बुक की है और जिनकी यात्रा 15 दिसंबर तक प्रस्तावित है, वे 8 दिसंबर तक बिना किसी शुल्क के तारीख बदल सकते हैं या फिर पूरा पैसा वापस पा सकते हैं। हालांकि नई तारीख चुनने पर किराए का अंतर लागू होगा। यात्रियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए दोनों एयरलाइनों ने 24 घंटे कॉल सेंटर में अतिरिक्त स्टाफ तैनात किया है। यात्रियों के लिए वेबसाइट, मोबाइल ऐप और व्हाट्सऐप चैटबोट के माध्यम से भी सहायता उपलब्ध है। उड़ानों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए एयरलाइंस अतिरिक्त उड़ानें संचालित कर रही हैं। जहां संभव होगा, यात्रियों को बिना अतिरिक्त शुल्क ऊपरी केबिन में अपग्रेड भी दिया जाएगा। साथ ही छात्रों, वरिष्ठ नागरिकों और सेना कर्मियों के लिए विशेष रियायतें जारी रहेंगी।

बीते सप्ताह शीर्ष पांच कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 72,285 करोड़ बढ़ा

- टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इंफोसिस को सबसे अधिक लाभ हुआ

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह भारत की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में पांच का कुल बाजार मूल्यांकन 72,284.74 करोड़ बढ़ गया। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इंफोसिस को सबसे अधिक लाभ हुआ। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लार्सन एंड टुब्रो और एलआईसी के बाजार मूल्यांकन में गिरावट रही। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 35,909.52 करोड़ रुपए बढ़कर 11,71,862.37 करोड़ रुपए हो गया। इंफोसिस का मूल्यांकन 23,404.55 करोड़ रुपए बढ़कर 6,71,366.53 करोड़ रुपए पहुंचा। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 6,720.28 करोड़ रुपए बढ़कर 6,52,396.39 करोड़ रुपए और भारती एयरटेल का 3,791.9 करोड़ रुपए बढ़कर 12,01,832.74 करोड़ रुपए हो गया। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक का भी बाजार मूल्यांकन बढ़ा। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 35,116.76 करोड़ रुपए घटकर 20,85,218.71 करोड़ रुपए रह गया, बावजूद इसके वह देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लार्सन एंड टुब्रो और एलआईसी में भी गिरावट देखने को मिली। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स महज 5.7 अंक बढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 16.5 अंक गिरा। यह दर्शाता है कि व्यक्तिगत कंपनियों के शेयरों में महत्वपूर्ण बदलाव के बावजूद मुख्य सूचकांक में ज्यादा हलचल नहीं रही। विश्लेषकों के अनुसार आईटी कंपनियों टीसीएस और इंफोसिस में निवेशक विश्वास मजबूत बना हुआ है, जबकि रिफाइनरी और बैंकिंग क्षेत्रों में कुछ दबाव के चलते गिरावट रही। कुल मिलाकर इस सप्ताह बाजार में कंपनी-विशिष्ट घटनाओं का असर मुख्य सूचकांकों से कहीं अधिक नजर आया।

एयर इंडिया ड्रीमलाइनर हादसा: जांच आगे बढ़ाने भारत-अमेरिका टीमों की वॉशिंगटन में अहम बैठक

- ब्लैक बॉक्स डेटा और तकनीकी साक्ष्यों की संयुक्त समीक्षा; शुरुआती निष्कर्षों पर बढ़ता तनाव

नई दिल्ली ।

जून में अहमदाबाद से उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर हादसे की जांच अब निर्णायक चरण में प्रवेश करने वाली है। रिपोर्टों के अनुसार, भारत की एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की टीम अगले हफ्ते अमेरिका जाएगी, जहां वॉशिंगटन स्थित नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) मुख्यालय में संयुक्त बैठक होगी। इस दौरान दोनों देशों के जांचकर्ता अब तक जुटाए गए सभी तकनीकी और ऑपरेशनल डेटा की विस्तृत समीक्षा करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में बोइंग कंपनी के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। भारतीय टीम कॉकपिट वॉइस रिकॉर्डर और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर से मिले महत्वपूर्ण सुराग साझा करेगी। हादसे में विमान में सवार 241 यात्रियों और क्रू सदस्यों की जान गई थी, और एएआईबी इसकी जांच का नेतृत्व कर रहा है। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब जांच प्रक्रिया को लेकर भारत और अमेरिका के विशेषज्ञों के बीच तनाव की खबरें सामने आ रही हैं। भारतीय पायलट यूनियनों ने इस आशंका पर नाराज़गी जताई है कि कहीं हादसे की जिम्मेदारी जल्दबाज़ी में पायलटों पर न डाल दी जाए। प्रारंभिक रिपोर्ट में संकेत मिले थे कि टेकऑफ के तुरंत बाद विमान के फ्यूल कंट्रोल स्विच अचानक बंद हो गए, जिससे दोनों इंजनों की शक्ति चली गई। हालांकि लगभग दस सेकंड बाद स्विच फिर सक्रिय हुए, लेकिन तब तक स्थिति नियंत्रण से बाहर हो चुकी थी। कॉकपिट रिकॉर्डर में दर्ज बातचीत में युवा को-पायलट ने कैप्टन से पूछा कि स्विच क्यों बंद हुए, पर कैप्टन ने इससे इनकार किया। एएआईबी ने अंतिम रिपोर्ट आने तक किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से बचने की अपील की है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विराट और रोहित के रहने से बढ़ती हैं जीतने की संभावनाएं : गंभीर

2027 विश्वकप तक दोनो के खेलने की उम्मीद बनी

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए है कि इनके रहने से टीम की जीत की संभावनाएं काफी बढ़ जाती है। ऐसे में अगर ये फिट रहते तो टीम के साथ बने रहेंगे। गंभीर के इस बयान से साफ है कि रोहित और विराट के 2027 विश्वकप में खेलने की संभावनाएं बरकरार है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में मिली जीत के बाद गंभीर ने कहा है कि रोहित और विराट की मौजूदगी से भारतीय टीम के जीतने की संभावनाएं काफी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि भले ही अब ये दोनो एक ही प्रारुप खेलते हैं फिर भी इनकी लय बनी हुई है। ऐसे में एकदिवसीय प्रारुप में इन दोनो खिलाड़ियों का योगदान टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। । गंभीर ने साफ किया कि 2027 विश्व कप के लिए दोनों खिलाड़ियों की उपयोगिता कम नहीं होगी, बल्कि और बढ़ेगी।

गंभीर ने कहाः ये दोनो ही उच्च गुणवत्ता वाले खिलाड़ी हैं। लंबे समय से भारत के लिए वही करते आ रहे हैं जो टीम को चाहिए। उनका लंबा अनुभव ड्रेसिंग रूम में बेहद महत्वपूर्ण है। उम्मीद है कि वे आगे भी टीम को वही स्थिरता देंगे।' उनके इस बयान से साफ है कि 2027 विश्व कप की योजनाओं में दोनों दिग्गजों की जगह बनी हुई है।

गंभीर के इस बयान से उन बातों पर विराम लग गय है जिसमें कहा गया था कि उनकी कोहली और रोहित से नहीं बन रही है। । इसके बीच चयन और योजनाओं को लेकर मतभेद बताये गये थे पर अब गंभीर के इस बयान से लगता है सबस कुछ सामान्य है।

ये भी कहा जा रहा है कि रोहित-कोहली ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया औरा अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर गंभीर को अपना रुख बदलने पर मजबूर कर दिया था। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया वहीं विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया है।

गंभीर के बयान से तय है कि अगर इन दोनो की फिटनेस और फार्म सही रहते हैं तो ये दोनो 2027 विश्व कप में खेलते नजर आ सकते हैं।

पीटर्सन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन गोल्फ खिताब जीता

मेलबर्न (एजेंसी)। मेलबर्न (ईएमएस)। जर्मनी के रासमुस नीरगार्ड-पीटर्सन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन गोल्फ खिताब जीत लिया है। ये पीटर्सन का पहला बड़ा खिताब है। उन्होंने करीबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी कैमरन स्मिथ को पीछे छोड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार 72वें होल तक नीरगार्ड-पीटर्सन और स्मिथ दोनों 15-अंडर के स्कोर साथ ही बराबरी पर थे पर इसके बाद पीटर्सन ने एक शॉट से जीत हासिल कर ली।

पीटर्सन ने 67, 66, 66 और 70 के राउंड खेलते हुए कुल 15-अंडर 269 का स्कोर बनाया। वहीं स्मिथ अंतिम दौर की शुरुआत दो शॉट पीछे से करते हुए 10वें होल तक बढ़त भी ले चुके थे, लेकिन 12वें होल की बोगी से संतुलन बिगड़ गया और दोनों फिर बराबरी पर आ गए पर अंतिम पुट डालते ही मुकाबला बदल गया।

वहीं ऑयरलैंड के रॉरी मैकइलरॉय ने अंतिम दिन 69 का राउंड खेला और संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर रहे। मैकइलरॉय ने कहा कि ऑस्ट्रेलियन ओपन को बेहतर तारीख मिलनी चाहिए ताकि दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी यहां आ सकें। ऑस्ट्रेलियन ओपन के विजेता को अगले साल के मास्टर्स टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश मिलता है।

रिटेंशन पर्स की वजह से केकेआर ने आंद्रे रसेल को किया रिलीज

- रिटायरमेंट और कोचिंग भूमिका पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की मिनी नीलामी से ठीक पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने अपने सबसे बड़े मैच-विजेताओं में से एक आंद्रे रसेल को रिलीज करने का बड़ा फैसला किया। इस निर्णय ने क्रिकेट जगत और फैंस को हैरान कर दिया, क्योंकि रसेल सालों से केकेआर के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में गिने जाते रहे हैं। फ्रैंचाइज़ी के सीईओ वेंकी मैसूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इस फैसले के पीछे की पूरी कहानी और उससे जुड़े भावनात्मक पल साझा किए।

मैसूर ने बताया कि रसेल को रिलीज करने की सबसे बड़ी वजह रिटेंशन स्लैब्स से जुड़ा वित्तीय ढांचा था। भले ही रसेल का कॉन्ट्रैक्ट मूल्य 12 करोड़ रुपये था, लेकिन 2025 सीजन के लिए उन्हें रिटेन करने पर केकेआर के पर्स से 18 करोड़ रुपये कटने थे। उन्होंने कहा कि यह राशि नीलामी रणनीति के लिहाज से बेहद भारी थी और टीम को बाकी संयोजन मजबूत करने में मुश्किल पैदा कर सकती थी। उन्होंने कहा, 'कई लोग समझ नहीं पाए कि असल कटौती 18 करोड़ की थी, 12 करोड़ की नहीं। लोग सोच रहे थे कि केकेआर 12 करोड़ के खिलाड़ी को क्यों छोड़ेगी, लेकिन नीलामी के संदर्भ में 18 करोड़ बहुत बड़ी रकम है। यही मुख्य कारण था।'

मैसूर ने आगे बताया कि जब यह निर्णय रसेल के साथ साझा किया गया, तो वह भावुक हो गए। 2014 में केकेआर से जुड़ने के बाद रसेल कभी भी नीलामी पूल में नहीं गए थे। उन्होंने स्वीकार किया कि अचानक नीलामी का हिस्सा बनने का विचार उनके लिए मानसिक रूप से बहुत भारी था। मैसूर के अनुसार, रसेल ने उनसे कहा, 'मैंने कई रातें बिना सोए बिताईं, सोचता रहा कि आगे क्या होगा। मैं पर्पल-गोल्ड जर्सी और नाइटराइडर्स परिवार से बहुत जुड़ गया हूं।'

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे एशेज टेस्ट में इंग्लैंड को आठ विकेट से हराया

-सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने गुलाबी गेंद से खेले गये एशेज सीरीज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड को आठ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पांच मैचों की इस सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए केवल 65 रनों का लक्ष्य मिला था जो उसने आसानी से दो 2 विकेट खो कर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की ओर से ट्रैविस हेड ने तेज 22 रन बनाए, जबकि स्टीव स्मिथ ने 9 गेंदों में 23 रन बना दिये। स्मिथ ने अपनी पारी में दो चौके और दो छक्के जमाए। जेक वेदराल्ड 17 रन बनाकर पर नाबाद लौटे। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट पर 69 रन आसानी से मैच जीत लिया

इस मैच में इंग्लैंड ने मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था और 334 रन का स्कोर बनाया था। वहीं मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने 511 रन बनाकर पहली पारी में 177 रन की बढ़त बना ली और दूसरी पारी में इंग्लैंड को 241 रन पर समेट था। ऐसे में मैच के चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 65 रन का आसान लक्ष्य मिला जिसे ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट खोकर हासिल कर लिया इस मैच में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और माइकल नेसर ने इंग्लैंड की बल्लेबाज़ी पूरी तरह तहस-नहस कर दी। स्टार्क ने मैच में कुल 8 विकेट झटके, जबकि नेसर ने 6 बड़े लेकर इंग्लैंड को दोनों पारियों में संभलने का अवसर नहीं दिया। इसी कारण जो रुट के यहां लगाये पहले शतक के बाद भी मेहमान टीम संभल नहीं पायी।

इंग्लैंड की पहली पारी में रूट ने 138 रन बनाये। उनकी इस पारी से इंग्लैंड टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच पायी पर अन्य बल्लेबाजों के असफल होने से टीम को नुकसान हुआ। स्टार्क ने 6 विकेट लेकर इंग्लैंड को 334 रन पर रोक दिया और मैच पर ऑस्ट्रेलिया की पकड़ मजबूत कर दी।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों ने पहली पारी में विरोधी गेंदबाजों पर दबाव बनाये रखा और 511 रनों का बड़ा स्कोर बनाया। जेक वेदराल्ड ने 72, लाबुशेन ने 65, स्टीव स्मिथ ने 61 और एलेक्स कैरी ने 63 रन की शानदार पारियां खेलीं। इन सबके अलावा मिचेल स्टार्क ने भी 77 रन बनाकर इंग्लैंड पर दबाव बना दिया। इंग्लैंड की ओर से केवल ब्राइडन कार्स ही 4 विकेट ले पाये। इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी में विफल रही और । केवल 241 रन पर ही बना पायी। कप्तान बेन स्टोक्स ही 50 और विल जैक्स ही 41 रन बना पाये । वहीं अन्य सभी बल्लेबाज विफल रहे।

शुभमन गिल फिट, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में खेलने के लिए तैयार

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला से पहले बड़ी राहत मिली है। टीम के उपकप्तान शुभमन गिल को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की खेल विज्ञान टीम ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलने की मंजूरी दे दी है। गिल कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे, जहां उनकी गर्दन में अचानक तेज अकड़न आ गई थी। चोट के बाद उन्हें दो दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा और उपचार के दौरान इंजेक्शन भी दिया गया। इसी कारण वह मौजूदा वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाए। गिल को टी20 टीम में फिटनेस के आधार पर चुना गया था और इसके लिए उन्हें लंबी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। उन्होंने सीओई में निर्धारित सभी रिकवरी प्रोटोकॉल पूरे किए, जिसमें स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, फिजियोथैरेपी, फंक्शनल फिटनेस टेस्ट और प्रदर्शन मूल्यांकन शामिल थे। इन सभी चरणों में सफल होने के बाद विशेषज्ञों ने उन्हें खेल में वापसी (आरटीपी) के लिए पूरी तरह उपयुक्त पाया। सीओई की ओर से टीम प्रबंधन को भेजे पत्र में कहा गया है कि शुभमन गिल ने रिहैबिलिटेशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और वह खेल के सभी प्रारूपों में खेलने के लिए आवश्यक मानदंडों को पूरा करते हैं।

अब 9 दिसंबर से टी20 सीरीज में आमने-सामने होंगे भारत और दक्षिण अफ्रीका

मुम्बई । भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अब 9 दिसंबर से पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। दोने के बीच अब तक टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज सीरीज हुई है। इसमें दक्षिण अफ्रीका ने टेस्ट जबकि भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज जीती है। ऐसे में अब दोनो ही टीमों के बीच टी20 सीरीज में रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। भारतीय टीम टी20 सीरीज में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरेगी। पांच मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 9 दिसंबर को कटक के बाराबती स्टेडियम में जबकि दूसरा मुकाबला 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। तीसरा मैच 14 दिसंबर को धर्मशाला में खेला जाएगा। चौथा मुकाबला 17 दिसंबर को लखनऊ जबकि अंतिम मुकाबला 19 दिसंबर को अहमदाबाद में होगा। आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 31 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 18 मैचों में भारतीय टीम जबकि 12 मैचों में दक्षिण अफ्रीका जीती है। वहीं एक मुकाबला बराबरी पर रहा है।

सचिन के 100 शतकों के रिकार्ड की बराबरी कर सकते हैं विराट : गावस्कर

मुम्बई । महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा है कि आने वाले समय में विराट कोहली सचिन तेंदुलकर के शतकों के शतक वाले विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं। गावस्कर के अनुसार विराट अपनी जबरदस्त फिटनेस के कारण 2027 विश्वपक के बाद भी खेल सकते हैं। विराट इस समय केवल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट ही खेल रहे हैं। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज में विराट ने दो शतक और एक अर्धशतक लगाया था। विराट के अभी अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में 84 शतक हैं। वे पहले से ही एक प्रारुप में सबसे ज्यादा शतक लगाने बल्लेबाज हैं। गावस्कर ने कहा, अगर वह तीन साल और खेलते हैं तो उसे शतकों का शतक लगाने 16 शतक और चाहिए। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसय सीरीज में 302 रन बनाए। गावस्कर ने मुकाबले के बाद कहा, जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा है उससे उसके लिए कुछ भी संभव है, उसने तीन मैचों की सीरीज में दो शतक बनाए हैं। अब अगर वह न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में दो और शतक बनाता है, तो वह 86 तक पहुंच जाएगा। इसलिए उसके 100 तक पहुंचने की काफी संभावनाएं हैं। जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा है, उससे लग रहा है कि वह काफी आराम से खेल रहा है। जिस तरह से अंतिम एकदिवसीय में बल्लेबाजी की उससे उसके अच्छे फार्म का अंदाजा होता है। हैं। भारतीय टीम को विश्वकप 2027 तक करीब 35 एकदिवसय मैच खेलने हैं। ऐसे में उसके लिए 16 शतक लगाना ज्यादा कठिन नहीं है। वहीं अगर वह वर्ल्ड कप के बाद भी खेलता है तो आसानी से 100 शतकों तक पहुंच जाएगा। ये तो ये है कि वह 90 से ज्यादा शतक तक पहुंच जाएगा।

मुलर पर भारी पड़े मेस्सी, इंटर मियामी को पहला एमएलएस कप खिताब दिलाया

फोर्ट लॉडरडेल (एजेंसी)। थॉमस मुलर ने लियोनेल मेस्सी के साथ लंबे समय से चली आ रही अपनी प्रतिद्वंद्विता में अक्सर बाजी मारी है लेकिन मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) कप फुटबॉल प्रतियोगिता के शनिवार को खेले गए फाइनल में अर्जेंटीना की स्टार की तूती बोली। मुलर और मेस्सी के बीच हुए 10 मुकाबलों में से जर्मनी के स्टार ने सात में जीत हासिल की है। मुलर की मौजूदगी में जर्मन टीम ने विश्व कप में दो बार मेस्सी और अर्जेंटीना को बाहर किया है। लेकिन शनिवार को अर्जेन्टीना के सुपर स्टार ने इंटर मियामी को एमएलएस कप फाइनल में मुलर की वैंकूवर व्हाइटकैप्स पर 3-1 से जीत दिलाई। इस तरह से मेस्सी ने अपने करियर की 47वीं ट्रॉफी के साथ अपने तीसरे मेजर लीग सॉकर सत्र का समापन किया। मेस्सी ने मैच के बाद कहा, ''तीन साल पहले मैंने एमएलएस में आने का फैसला किया और आज हम एमएलएस चैंपियन हैं। पिछले साल हम लीग में जल्दी बाहर हो गए थे लेकिन इस साल एमएलएस जीतना हमारा मुख्य लक्ष्य था।'' मेस्सी ने 72वें मिनट में रोड्रिगो डी पॉल को गेंद देकर गोल करने में मदद की। इसके बाद उन्होंने स्टॉपेज टाइम में एक और गोल करने में योगदान देकर इंटर मियामी को फ्रैंचाइजी इतिहास में पहली बार चैंपियनशिप दिलाई। मेसी और मुलर दोनों ही विश्व कप और चैंपियंस लीग विजेता हैं। दोनों क्लब विश्व कप विजेता भी हैं।

महिला क्रिकेट स्टार स्मृति मंधाना की शादी रद्द, सोशल मीडिया पर दी अहम जानकारी

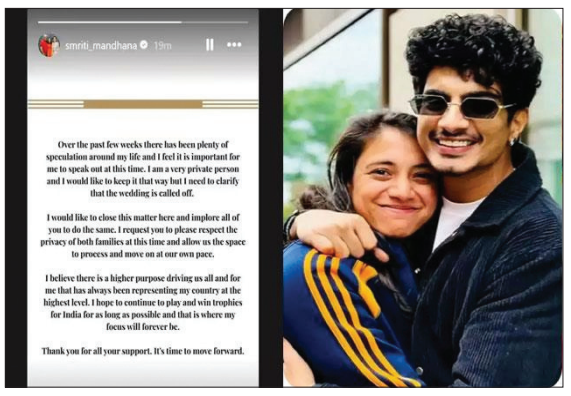

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर चल रही अफवाहों पर विराम लगाते हुए पुष्टि की है कि संगीतकार पलाश मुछाल के साथ उनकी शादी रद्द कर दी गई है। उन्होंने प्रशंसकों और मीडिया से आग्रह किया कि इस संवेदनशील समय में दोनों परिवारों की निजता का सम्मान किया जाए। पिछले कुछ सप्ताह से सोशल मीडिया पर उनकी शादी को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। इसी पर स्पष्टता लाते हुए मंधाना ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि शादी रद्द कर दी गई है। कृपया इस मामले को यहीं समाप्त करें और हमें आगे बढ़ने के लिए जगह दें।' 23 नवंबर को होने वाली शादी उनके पिता श्रीनिवास की अचानक तबीयत बिगड़ने और दिल से जुड़ी बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होने की वजह से स्थगित कर दी गई थी। अब मंधाना ने बताया कि परिस्थितियों को देखते हुए शादी को रद्द करने का फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि वह एक बेहद निजी इंसान हैं, लेकिन लगातार चल रही चर्चाओं और असत्यापित रिपोर्टों के कारण उन्हें खुलकर अपनी बात रखनी पड़ी। साथ ही, उन्होंने यह भी दोहराया कि उनका पूरा ध्यान अब भारत के लिए क्रिकेट खेलने और आगामी अंतरराष्ट्रीय सत्र की तैयारी पर है। गायिका पलक मुछाल ने कुछ दिन पहले इस मुद्दे पर बात की थी और दोनों परिवारों के लिए यह समय बेहद चुनौतीपूर्ण बताया था। सोशल मीडिया पर बढ़ती चर्चाओं की वजह से ही मंधाना को अटकलों का अंत करने के लिए आगे आना पड़ा। करीब एक दशक से भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अहम सदस्य रहीं 28 वर्षीय स्मृति मंधाना ने अंत में लिखा, 'आप सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। अब आगे बढ़ने का समय है।'

शक्ति और संकल्प का खेल : वेटलिफ्टिंग में भारत की बढ़ती ताकत

नई दिल्ली। वेटलिफ्टिंग सिर्फ वजन उठाने का खेल नहीं, बल्कि यह ताकत, संतुलन और मानसिक दृढ़ता की गहरी परीक्षा है। इसमें मुख्य रूप से स्नैच और क्लीन एंड जर्क दो तकनीकें शामिल होती हैं, जिनके लिए मजबूत मांसपेशियां, लचीला शरीर और आत्मविश्वास जरूरी होता है। आज यह खेल ओलंपिक का एक प्रतिष्ठित हिस्सा है, लेकिन इसकी शुरुआत प्राचीन काल में ताकत मापने की परंपरा से हुई थी। पुराने समय में योद्धा और सैनिक अपनी क्षमता साबित करने के लिए भारी पत्थरों और वस्तुओं को उठाते थे। धीरे-धीरे यह प्रतियोगिता का रूप लेकर ग्रीस, चीन, मिस्र और मेसोपोटामिया सहित कई देशों में लोकप्रिय हो गई। 19वीं शताब्दी के अंत तक यह एक अंतरराष्ट्रीय खेल के रूप में स्थापित हो चुका था। 1896 के एथेंस ओलंपिक में पहली बार वेटलिफ्टिंग को शामिल किया गया। हालांकि कुछ वर्षों 1900, 1908 और 1912 के दौरान इसे जगह नहीं मिली, लेकिन बाकी सभी ओलंपिक में यह लगातार खेला जाता रहा है। भारत ने इस खेल में आधिकारिक रूप से 1936 बर्लिन ओलंपिक में कदम रखा, जब एक साल पहले 1935 में भारतीय भारोत्तोलन महासंघ की स्थापना हुई थी। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने इस खेल में अपनी पहचान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए। महिलाओं ने वेटलिफ्टिंग में 2000 सिडनी ओलंपिक के बाद हिस्सा लेना शुरू किया, और इसी ओलंपिक में भारत की कर्णम मल्लेश्वरी ने 54 किलोग्राम वर्ग में ब्रॉन्ज जीतकर इतिहास रच दिया। उनके बाद 2020 टोक्यो ओलंपिक में मीराबाई चानू ने 49 किलोग्राम भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर देश का गौरव बढ़ाया और वेटलिफ्टिंग के प्रति नई प्रेरणा जगाई।

किसी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहा हूं: विराट कोहली

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 45 गेंद में नाबाद 65 रन की पारी खेलने के बाद कहा कि वह बिना किसी दबाव के खेल रहे हैं। कोहली तीन मैचों की इस श्रृंखला में 302 रन के साथ सर्वोच्च स्कोरर रहे। पहले दो वनडे में शतक जड़ने के बाद तीसरे मैच में भी अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करने के बाद उन्हें श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

भारत ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला को 2-1 से जीता। कोहली ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो इस श्रृंखला में मैं जिस तरह से खेला, वह मेरे लिए सबसे संतोषजनक बात है। मैं वास्तव में किसी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहा हूं। मैंने पिछले दो-तीन साल से इस तरह नहीं खेला है।''

उन्होंने कहा, '' मुझे पता है कि जब मैं इस तरह से बल्लेबाजी करता हूं तो यह टीम की बहुत मदद करता है। इससे मुझे आत्मविश्वास मिलता है कि मैं किसी भी स्थिति को संभालकर मैच का रूख टीम की ओर मोड़ सकता हूं।'' कोहली ने माना कि एक बल्लेबाज के रूप में अनुभव चाहे कितना भी हो लेकिन ऐसे हालात आते हैं जब मन में संदेह होने लगता है।

उन्होंने कहा, '' जब आप इतने लंबे समय तक खेलते हैं (15-16 साल) तो आप कई बार खुद पर संदेह करने लगते हैं। खासकर एक बल्लेबाज के रूप में जब एक गलती आपको आउट करा सकती है। यह एक खिलाड़ी के रूप में बेहतर होने की पूरी यात्रा है। यह आपको एक व्यक्ति के रूप में सुधारता है और यह स्वभाव को भी सुधारता है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे खुशी है कि मैं अब भी टीम के लिए योगदान दे पा रहा हूं। जब मैं इस तरह से खुलकर खेलता हूं तो मुझे पता है कि मैं छक्के मार सकता हूं। ऐसी परिस्थिति में आप हमेशा आत्मविश्वास से भरे रहते हैं।'' कोहली ने कहा कि तीन पारियों में से रांची में बनाया गया शतक उनके लिए सबसे खास रहा।

उन्होंने कहा, ''रांची में पहला (शतक) खास रहा क्योंकि मैंने ऑस्ट्रेलिया के बाद कोई मैच नहीं खेला था। रांची मेरे लिए बहुत खास है और मैं बहुत आभारी हूं कि ये तीनों मैच ऐसे रहे।'' भारतीय कप्तान लोकेश राहुल ने कहा कि पहले दो मैचों में ओस के कारण गीली आउटफील्ड में गेंदबाजी करने के बाद गेंदबाजों को ब्रेक देना महत्वपूर्ण था।

राहुल ने दक्षिण अफ्रीका को 270 पर आउट करने पर कहा, ''पहले दो मैचों में हमें कठिन परिस्थितियां मिलीं। ऐसे में गीली आउटफील्ड में गेंदबाजों के लिए ब्रेक मिलना अच्छा था। यह पिच बल्लेबाजी के लिए काफी अच्छी थी लेकिन हम एक साथ कई विकेट चटकाने में सफल रहे।''

भारत की जीत प्रसिद्ध कृष्णा (66 रन पर चार विकेट) और कुलदीप यादव (41 रन पर चार विकेट) का योगदान भी अहम रहा। राहुल ने अपनी गेंदबाजी इकाई की तारीफ करते हुए कहा, ''हम बीच के ओवरों में दबाव बना पाए। प्रसिद्ध ने एक स्पैल में तीन विकेट लिए जो वास्तव में महत्वपूर्ण थे और फिर कुलदीप ने आकर एक ओवर में दो विकेट ले गए। वनडे क्रिकेट में आप इसी तरह टीमों पर दबाव बनाने की कोशिश करते हैं।''

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने कहा कि उनकी टीम भारत को

बड़ा लक्ष्य देने में नाकाम रही। उन्होंने कहा, ''आज हम इसे और भी रोमांचक बनाना चाहते थे। बल्लेबाजी के लिहाज से हमने ज्यादा रन नहीं बनाए। दूधिया रोशनी में खेल आसान हो जाता है। शायद हमें समझदारी से काम लेना चाहिए था क्योंकि हमने जल्दबाजी में विकेट गंवा दिये थे।''

उन्होंने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, ''भारतीय टीम ने अपनी क्षमता दिखाई। उन्हें बधाई। हम और भी ज्यादा समझदारी से खेल सकते थे। आप अगर पहले दो वनडे देखें तो हमने ऐसा किया। आज शायद हालात अलग थे। आप 50 ओवर के मैच में ऑल आउट नहीं होना चाहते।''

उन्होंने कहा, '' हमारे बल्लेबाजों को अच्छी शुरुआत मिली लेकिन वे इसे भुनाने में नाकाम रहे। क्विंटन (डिकॉक) ने शतक बनाया मैं भी अहम मौके पर आउट हो गया। भारत के पास अच्छे स्पिनर है और उन पर दबाव बनाना कभी आसान नहीं होता है।

ग्रोवेल विवाद पर दक्षिण अफ्रीका कोच कॉनराड की सफाई, गलत शब्द के इस्तेमाल पर मांगी माफी

विशाखापत्तनम । दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड ने भारत के खिलाफ मिली एकतरफा हार और तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-2 से गंवाने के बाद अपने विवादित 'grovel' बयान पर सफाई दी है। कॉनराड ने माना कि यह शब्द उनकी टीम की ऐतिहासिक टेस्ट जीत के चमक को फीका कर गया, जबकि उनका इरादा किसी तरह की अहमियत कम करने या अपमान का नहीं था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: को ही सिद्ध करती है तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस

तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस में नारियों को सम्मान जनक रूप में प्रस्तुत किया है। जिससे 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता:' ही सिद्ध होता है। नारियों के बारे में उनके जो विचार देखने में आते हैं उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:-

धीरज, धर्म, मित्र अरु नारी।
आपद काल परखिए चारी।।

अर्थात धीरज, धर्म, मित्र और पत्नी की परीक्षा अति विपत्ति के समय ही की जा सकती है। इंसान के अच्छे समय में तो उसका हर कोई साथ देता है, जो बुरे समय में आपके साथ रहे वही आपका सच्चा साथी है। उसीके ऊपर आपको सबसे अधिक भरोसा करना चाहिए।

जननी सम जानहिं पर नारी।
तिन्ह के मन सुभ सदन तुम्हारे ।।

अर्थात जो पुरुष अपनी पत्नी के अलावा किसी और स्त्री को अपनी मां सामान समझता है, उसी के हृदय में भगवान का निवास स्थान होता है। जो पुरुष दूसरी नारियों के साथ संबंध बनाते हैं वह पापी होते हैं, उनसे ईश्वर हमेशा दूर रहता है।

मूढ़ तोहि अतिसय अभिमाना ।
नारी सिखावन करसि काना ।।

अर्थात भगवान राम सुग्रीव के बड़े भाई बाली के सामने स्त्री के सम्मान का आदर करते हुए कहते हैं, दुष्ट बाली तुम अज्ञानी पुरुष तो हो ही लेकिन तुमने अपने घमंड में आकर अपनी विद्वान पत्नी की बात भी नहीं मानी और तुम हार गए। मतलब अगर कोई आपको अच्छी बात कह रहा है तो अपने अभिमान को त्यागकर उसे सुनना चाहिए, क्या पता उससे आपका फायदा ही हो जाए।

तुलसी देखि सुबेषु भूलहिं
मूढ़ न चतुर न सुन्दर ।
केकिहि पेखु बचन सुधा
सम असन अहि ।।

अर्थात तुलसीदास जी कहते हैं सुन्दर लोगों को देखकर मुर्ख लोग ही नहीं बल्कि चालाक मनुष्य भी धोखा खा जाता है। सुन्दर मोरों को ही देख लीजिए उनकी बोली तो बहुत मीठी है लेकिन वह सांप का सेवन करते हैं। इसका मतलब सुन्दरता के पीछे नहीं भागना चाहिए। चाहे कोई भी हो। तमाम सीमाओं और अंतर्विरोधों के बावजूद तुलसी लोकमानस में रमे हुए कवि हैं। उनका सबसे प्रचलित दोहा जिसे सबने अपने तरीके से तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया। हमेशा विवादों के घेरे में आ जाता है। कई महिला संगठनों ने तो इसका घोर विरोध भी किया।

प्रभु भल कीन्ह मोहि सिख दीन्हीं।
मरजादा पुनि तुम्हरी कीन्हीं।
ढोल गंवार सूद्र पसु नारी।
सकल ताड़ना के अधिकारी।

अर्थात प्रभु ने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी (दंड दिया), किंतु मर्यादा (जीवों का स्वभाव) भी आपकी ही बनाई हुई है। ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और स्त्री ये सब शिक्षा के अधिकारी हैं।

कुछ लोग इस चौपाई का अपनी बुद्धि और अतिज्ञान के कारण विपरीत अर्थ निकालकर तुलसी दास जी और रामचरित मानस पर आक्षेप लगाते हुए अक्सर दिख जाते हैं। सामान्य समझ की बात है कि अगर तुलसीदास जी स्त्रियों से द्वेष या घृणा करते तो रामचरित मानस में उन्होंने स्त्री को देवी समान क्यों बताया? और तो और- तुलसीदास जी ने तो-

एक नारिब्रतरत सब झारी।
ते मन बच क्रम पतिहितकारी।

अर्थात, पुरुष के विशेषाधिकारों को न मानकर दोनों को समान रूप से एक ही व्रत पालने का आदेश दिया है। साथ ही सीता जी की परम आदर्शवादी महिला एवं उनकी नैतिकता का चित्रण, उर्मिला के विरह और त्याग का चित्रण यहां तक कि लंका से मंदोदरी और त्रिजटा का चित्रण भी सकारात्मक ही है। सिर्फ इतना ही नहीं सुरसा जैसी राक्षसी को भी हनुमान द्वारा माता कहना, कैकेई और मंथरा भी तब सहानुभूति का पात्र हो जाती हैं जब उन्हें अपनी गलती का पश्चाताप होता है ऐसे में तुलसीदासजी के शब्द का अर्थ स्त्री को पीटना अथवा प्रताड़ित करना है ऐसा तो आसानी से हजम नहीं होता। इस बात का भी ध्यान रखना आवश्यक है कि तुलसीदास जी शूद्रों के विषय में तो कदापि ऐसा लिख ही नहीं सकते क्योंकि उनके प्रिय राम द्वारा शबरी, निषाद, केवट आदि से मिलन के जो उदाहरण है वो तो और कुछ ही दर्शाते हैं।

तुलसीदास जी ने मानस की रचना अवधी में की है और प्रचलित शब्द ज्यादा आए हैं, इसलिए 'ताड़न' शब्द को संस्कृत से ही जोड़कर नहीं देखा जा सकता, राजा दशरथ ने स्त्री के वचनों के कारण ही तो अपने प्राण दे दिए थे। श्री राम ने स्त्री की रक्षा के लिए रावण से युद्ध किया, रामायण के प्रत्येक पात्र द्वारा पूरी रामायण में स्त्रियों का सम्मान किया गया और उन्हें देवी बताया गया। असल में ये चौपाइयां उस समय कही गई है जब समुद्र द्वारा श्रीराम की विनय स्वीकार न करने पर जब श्री राम क्रोधित हो गए और अपने तरकश से बाण निकाला तब समुद्र देव श्रीराम के चरणों मे आए और श्रीराम से क्षमा मांगते हुए अनुनय करते हुए कहने लगे कि- हे प्रभु आपने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी और ये ये लोग विशेष ध्यान रखने यानि, शिक्षा देने के योग्य होते हैं। ताड़ना एक अवधी शब्द है जिसका अर्थ पहचानना परखना या रेकी करना होता है। तुलसीदास जी के कहने का मंतव्य यह है कि अगर हम ढोल के व्यवहार (सुर) को नहीं पहचानते तो, उसे बजाते समय उसकी आवाज कर्कश होगी अतः उससे स्वभाव को जानना आवश्यक है।

इसी तरह गंवार का अर्थ किसी का मजाक उड़ाना नहीं बल्कि उनसे है जो अज्ञानी हैं और उनकी प्रकृति या व्यवहार को जाने बिना उसके साथ जीवन सही से नहीं बिताया जा सकता। इसी तरह पशु और नारी के परिप्रेक्ष में भी वही अर्थ है कि जब तक हम नारी के स्वभाव को नहीं पहचानते उसके साथ जीवन का निर्वाह अच्छी तरह और सुखपूर्वक नहीं हो सकता। इसका सीधा सा भावार्थ यह है कि ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और नारी के व्यवहार को ठीक से समझना चाहिए और उनके किसी भी बात का बुरा नहीं मानना चाहिए। परन्तु दुर्भाग्य तुलसीदास जी रचित इस चौपाई को लोग अपने जीवन में भी उतारते हैं और रामचरित मानस को नहीं समझ पाते हैं।

जब नवग्रहों के राजा भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा

ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी है एक कथाभगवान शिव कितने भोले हैं यह तो सभी जानते हैं। कभी वह शिवलिंग के ऊपर बंधे घंटे को चोरी करने वाले को अपना भक्त मान लेते हैं। तो कभी पेड़ पर चढ़े शिकारी के यूं ही बेलपत्र तोड़कर नीचे फेंकने को उसकी भक्ति समझ लेते हैं। यही नहीं उससे प्रसन्न होकर वह उसे सर्वस्य दे भी देते हैं। इससे इतर भोले भंडारी को यदि क्रोध आ जाए तो वह कितना विकराल रूप ले लेता है। इसका उदाहरण भी धर्म शास्त्रों में देखने को मिलता है। 18 पुराणों में सबसे प्राचीनतम पुराण ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी ही एक कथा मिलती है जब नवग्रहों के राजाधिराज भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानी?

इसलिए आया था अवढरदानी को गुस्सा

मनुष्य, देवता या फिर दैत्य जो भी भगवान शिव की शरण में पहुंचता है। वह बिना किसी भेदभाव के सभी पर कृपा करते हैं। एक बार दैत्य माली और सुमाली भी उनकी शरण में अपनी पुकार लेकर पहुंचे। वह गंभीर शारीरिक पीड़ा से त्रस्त थे। सूर्य देव की अवहेलना से उन्हें इस व्याधि से भी मुक्ति नहीं मिल रही थी। अपनी करुण पुकार लेकर वह भगवान शिव की शरण में पहुंचे।

तब कश्यप नंदन सूर्य पर शिव ने किया प्रहार

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार भगवान शिव अपनी शरण में आए दैत्य माली-सुमाली की दारुण व्यथा सुनकर अत्यंत क्रोधित हुए। उन्होंने कश्यप नंदन सूर्य पर अपने त्रिशूल से प्रहार कर दिया। उस समय संपूर्ण लोकों को प्रकाशित करने वाले सूर्य देव अपने सात घोड़ों के रथ पर विराजमान थे। वह भोलेनाथ का प्रहार सहन नहीं कर पाए और रथ से नीचे गिर कर अचेत हो गए। उनके गिरते ही संपूर्ण सृष्टि अंधकार में डूब गई।

कश्यप ऋषि ने दिया भगवान शिव को शाप

संपूर्ण जगत में अंधियारा होने पर सूर्य देव के पिता कश्यप ऋषि को अपने पुत्र की चिंता हुई। जैसे ही वह भगवान सूर्य के पास पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनके पुत्र पर भगवान शिव ने प्रहार किया है। वह क्रोध से आग बबूला हो गए और अपना संयम खो बैठे। आवेश में आकर उन्होंने शिवजी को शाप दे डाला। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आज वह अपने पुत्र की हालत पर रो रहे हैं। एक दिन उन्हें भी ऐसे ही दुःखी होना पड़ेगा। वह भी पुत्र कष्ट से रोएंगे।

ऐसे दिया भोले ने सूर्य देव का जीवन दान

कुछ ही क्षणों में जब भगवान शिव का क्रोध शांत हुआ तो उन्होंने देखा कि संपूर्ण सृष्टि में अंधकार होने से हाहाकार मचा है। उन्होंने सूर्य देव को जीवन दान दिया। तभी शिवजी को ऋषि कश्यप के शाप के बारे में पता चला। उन्होंने सभी का त्याग करने का निश्चय किया। यह सुनकर ब्रह्माजी भगवान सूर्य के पास पहुंचे। उन्हें उनके कार्य का दायित्व सौंपा। इसके बाद शिवजी, ब्रह्मा और ऋषि कश्यप सभी ने सूर्य को आशीर्वाद दिया और अपने-अपने स्थान पर वापस चले गए।ये पौधे दूर कर देते हैं लाइफ की सारी टेंशन, मनचाही मुरादें भी करते हैं पूरीमाली-सुमाली की व्याधि भी हुई दूरसूर्य जैसे ही अपनी राशि पर आरूढ़ हुए माली-सुमाली पुनः शारीरिक कष्ट से जूझने लगे। तब ब्रह्मा जी ने स्वयं ही दोनों दैत्यों को सूर्य की उपासना का महत्व समझाया और कहा कि पूरी निष्ठा से उनकी उपासना करें। उनकी कृपा से ही वह पूर्ण रूप से निरोगी होंगे। तब माली-सुमाली ने ब्रह्मा जी के कहे अनुसार सूर्य देव की पूजा- आराधना की। उनकी पूजा से प्रसन्न होकर सूरज देवता ने उनकी समस्त शारीरिक व्याधियों का अंत कर दिया।

ऐसा क्या हुआ देवी लक्ष्मी ने रुला दिया भगवान विष्णु को

कहते हैं कि जिस भी घर में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है वहां सुख-शांति का वास होता है। दांपत्य जीवन भी सुखमय होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इक बार ऐसा भी हुआ कि श्री हरि को भी माता लक्ष्मी की वजह से रोना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानीजब श्री हरि के संग होने की बात कही देवी लक्ष्मी नेपौराणिक कथाओं में जिक्र मिलता है कि एक बार श्री हरि धरती पर भ्रमण के लिए जा रहे थे। तभी देवी लक्ष्मी ने उनके साथ चलने की अनुमति मांगी। कई बार कहने पर भगवान विष्णु ने कहा कि वह साथ चल सकती हैं लेकिन उन्हें एक शर्त माननी होगी। उन्होंने कहा कि धरती पर कैसी भी स्थिति आए लेकिन उन्हें उत्तर दिशा की ओर नहीं देखना है। देवी लक्ष्मी भी भगवान की शर्त मान लेती हैं और साथ चल देती हैं। इस तरह खुद को रोक न सके भगवान और रो पड़ेकथा मिलती है कि जब श्री विष्णु और माता लक्ष्मी पर भ्रमण कर रहे थे। तभी देवी की नजर उत्तर दिशा की ओर पड़ी। उस ओर इतनी हरियाली थी कि वह खुद को रोक न सकीं और सामने दिख रहे बगीचे में चली गईं। इसके बाद उन्होंने उस बाग से एक पुष्प तोड़ लिया और भगवान विष्णु के पास वापस आईं। उन्हें देखते ही श्री हरि रो पड़े। तभी माता लक्ष्मी को उनकी शर्त याद आई। तब भगवान विष्णु ने कहा कि बिना किसी से पूछे उसकी किसी भी वस्तु को छूना अपराध है। लक्ष्मीजी को इस वजह से बनना पड़ा दासीदेवी लक्ष्मी को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी। लेकिन श्रीहरि ने कहा कि इस गलती की माफी उस बगीचे का माली ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें उस माली के घर में दासी बनकर रहना होगा। देवी लक्ष्मी ने उसी क्षण गरीब औरत का रूप धारण किया और सीधे उस माली के घर पहुंच गईं। माली ने उनसे कभी खेत में काम करवाया, कभी बगीचे में तो कभी घर में। लेकिन एक दिन उसे पता चला कि वह दासी कोई और नहीं माता लक्ष्मी हैं। तो वह रो पड़ा। किस्मत चमकाने वाली 6 अंगूठी, लोग करते हैं बहुत भरोसा ऐसे दासी बनीं मां लक्ष्मी ने भर दी माली की झोलीकथा के अनुसार माली ने मां लक्ष्मी से क्षमा-याचना की और कहा कि जो कुछ उसने उनसे करवाया वह सब अज्ञानतावश था। इसके लिए वह उसे माफ कर दें। मां लक्ष्मी ने मुस्कुराते हुए कहा कि जो भी वह नियति थी। इसमें उसका कोई दोष नहीं है। लेकिन जिस तरह उसने मां को अपने परिवार का सदस्य समझा। उसके लिए वह उसे आजीवन सुख-समृद्धि का वरदान देती हैं। देवी लक्ष्मी ने कहा कि माली और उसके परिवार के सदस्यों को जीवन में किसी भी तरह का कष्ट नहीं भोगना पड़ेगा। इतना कहकर देवी अंर्तध्यान होकर विष्णु लोक वापस चली गईं।

स्वामी विवेकानंद ने समझाया पाप और पुण्य का अर्थ

यह घटना 1899 की है। उन दिनों कलकत्ता में प्लेग फैला हुआ था। कलकत्ता में शायद ही कोई ऐसा घर बचा था जिसमें इस रोग का प्रवेश न हुआ हो। प्लेग ने असमय ही अनेक लोगों को मौत की नींद सुला दिया। यह देखकर हर ओर त्राहि-त्राहि मच गई। जिस भी घर का प्राणी मरता, वहां रोने की चीत्कारें गूंजने लगती थीं। सभी परेशान थे।ऐसे में स्वामी विवेकानंद, उनके कई शिष्य स्वयं रोगियों की सेवा करते रहे। वे नगर की गलियां और बाजार साफ करते और जिस घर के मरीज इस बीमारी की चपेट में आ गए थे, उन्हें दवा आदि देकर उनका उपचार करते। तभी कुछ पंडितों की मंडली स्वामी जी के पास आई और बोली, 'स्वामीजी, आप यह ठीक नहीं कर रहे हैं। इस धरती पर पाप बहुत बढ़ गया है इसलिए इस महामारी के रूप में भगवान लोगों को दंड दे रहे हैं। आप लोगों को बचाने का यत्न कर रहे हैं। ऐसा करके जाने अनजाने आप भगवान के कार्यों में बाधा डाल रहे हैं जो अच्छी बात नहीं है।'यह सुनकर स्वामीजी गंभीरता से बोले, 'आप सब यह तो जानते ही होंगे कि मनुष्य इस जीवन में अपने कर्मों के कारण कष्ट और सुख पाता है। ऐसे में जो व्यक्ति कष्ट से पीड़ित है और तड़प रहा है, यदि दूसरा व्यक्ति उसके घावों पर मरहम लगा देता है और उसके कष्ट को दूर करने में मदद करता है तो वह स्वयं ही पुण्य का अधिकारी बन जाता है। अब यदि आपके अनुसार प्लेग से पीड़ित लोग पाप के भागी हैं तो भी हमारे जो सेवक इनकी मदद कर रहे हैं, वे तो पुण्य के भागी बन ही रहे हैं न! बोलिए इस संदर्भ में आपका क्या कहना है?' स्वामीजी की बात सुनकर सभी पंडित भौंचक्के रह गए और चुपचाप सिर झुकाकर वहां से चले गए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मस्जिद का शिलान्यास राजनीतिक दल के समर्थन के बिना संभव नहीं : शत्रुघ्न सिन्हा

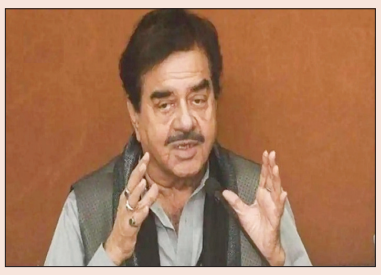

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले मुर्शिदाबाद जिले में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली मस्जिद के शिलान्यास से राजनीतिक हताशा की बू आ रही है। शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि 6 दिसंबर को 'सद्भावना दिवस' के रूप में मनाया जाता है और इस दिन सच्ची सद्भावना और अच्छा माहौल होना चाहिए। अपने निर्वाचन क्षेत्र आसनसोल में सिन्हा ने कहा कि बंगाल में आज के दिन अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली मस्जिद का शिलान्यास और टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा लोगों को इकट्ठा करना, राजनीतिक हताशा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह कुछ लोगों की राजनीतिक चाल या राजनीतिक हताशा है और किसी विशेष राजनीतिक दल के समर्थन के बिना यह संभव नहीं है। टीएमसी ने अपने भरतपुर विधायक हुमायूं कबीर को निलंबित कर दिया है, जिन्होंने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रेजिनगर में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली एक मस्जिद की आधारशिला रखी, जिससे राज्य में राजनीतिक तापमान बढ़ गया है, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। सिन्हा ने कहा कि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा राजनीतिक लाभ लेने के लिए उठाया जा रहा है।

डिग्री योग्यता का प्रमाण नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है। किसी उम्मीदवार को केवल डिग्री के आधार पर अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता है। यदि आवश्यक मुख्य विषय की पढ़ाई उसने की है। ऐसी स्थिति में उसे अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने एम काम की शिक्षा पास एक उम्मीदवार की नियुक्ति बहाल की है। जिसे मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन कंसल्टेंट के पद से इसलिए हटा दिया गया था। उसके पास पीजी की सांख्यिकी विषय की डिग्री नहीं थी। उसने एम काम में बिजनेस स्टैटिसटिक्स और इंडियन इकोनॉमिक स्टैटिसटिक्स मुख्य विषय के रूप में पढे थे। कोर्ट ने कहा डिग्री के नाम पर जोर देना, असल पढ़ाई को नजर अंदाज कर देना है। सुप्रीम कोर्ट ने सांख्यिकी की डिग्री नहीं होने के बाद भी उसकी नियुक्ति को सही ठहराया।

उड़ीसा में पांचवीं छात्रा ने की आत्महत्या

भुवनेश्वर(एजेंसी)। उड़ीसा में अभी तक पांच छात्राओं ने आत्महत्या करके अपने जीवन को समाप्त किया है। हाल ही में सुंदरगढ़ जिले में स्नातक कोर्स के दूसरे वर्ष की पढ़ाई करने वाली एक छात्रा ने आत्मदाह कर लिया है। यह छात्रा 90 फ़ीसदी जल गई। अभी उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पिछले 6 माह में उड़ीसा राज्य में यह पांचवीं घटना है। पुलिस ने इस घटना के संबंध में एक 25 साल के युवा को गिरफ्तार किया है। जो उसे परेशान कर रहा था। घटना शुक्रवार की रात को तब घटी, जब परिवार के सदस्य सो रहे थे। छात्रा ने आग लगाकर आत्म हत्या करने का प्रयास किया। अभी अस्पताल में इलाज चल रहा है। 90 फ़ीसदी जलने के कारण उसके बचने की कोई उम्मीद नहीं है।

एसआईआर कार्य में लगे बीएलओ की ब्रेन हेमरेज से मौत, कॉलेज में थे शिक्षक

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद में मतदाता सूची के एसआईआर अभियान के लिए बीएलओ के रूप में तैनात एक जीव विज्ञान शिक्षक की मोदीनगर के नेहरू नगर स्थित उनके आवास पर कथित तौर पर ब्रेन हेमरेज से मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि मोदी विज्ञान एवं वाणिज्य इंटर कॉलेज के शिक्षक लाल मोहन सिंह (58) को साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर की ड्यूटी पर लगाया गया था। कॉलेज के प्रधानाचार्य ने बताया कि लालमोहन सिंह अस्वस्थ थे और घर-घर जाकर सत्यापन कार्य के कारण काफी दबाव में थे। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने चेतावनी दी थी कि यह काम किसी भी कीमत पर पूरा किया जाना चाहिए। वह तनाव में काम कर रहे थे। मोदीनगर के एसीपी ने कहा कि एसडीएम मोदीनगर ने सूचित किया कि लाल मोहन सिंह की शुक्रवार रात ब्रेन हेमरेज से मौत हो गई। एसडीएम घटना के बाद के प्रशासनिक पहलुओं की जांच कर रहे हैं।

फिर बिगड़ी आजम खान की तबीयत, जांच कराने से किया इनकार, बैरंग लौटे डॉक्टर

रामपुर (एजेंसी)। जेल में बंद चल रहे सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान की तबीयत बिगड़ गई है। जब दो डॉक्टर उपचार करने के लिए जेल अस्पताल पहुंचे तो आजम खान ने जांच करवाने से इनकार कर दिया। इसके बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। आजम खान ने इससे पहले परिवार वालों से मिलने से भी मना कर दिया था। उन्हें दो पैन कार्ड मामले में सात साल की सजा हुई है, वहीं उनके बेटे अब्दुल्ला को दो पासपोर्ट मामले में सात साल की सजा मिली है। इस मामले में जेल प्रशासन की तरफ से कोई बयान नहीं आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार को जिला अस्पताल से जनरल फिजीशियन डॉ हसीब और सर्जन डॉ आरिफ रसूल आजम खान का स्वास्थ्य परीक्षण करने जिला कारागार पहुंचे थे, लेकिन आजम ने जांच कराने से साफ इनकार कर दिया। इस वजह से दोनों डॉक्टरों को खाली हाथ लौटना पड़ा। एक दिन पहले नेत्र सर्जन ने उनकी आंखों की जांच की थी। जेल प्रशासन आजम खान की सेहत को लेकर चिंतित है और उन्हें लगातार दवाइयां दी जा रही हैं। जेल जाने से पहले भी आजम खां की तबीयत ठीक नहीं थी और वे दिल्ली अस्पताल में इलाज करा चुके हैं। दूसरी तरफ भारतीय सेना पर विवादित बयान देने के आठ साल पुराने मामले में शनिवार को एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में बहस पूरी हो गई है। कोर्ट ने इस मामले में 11 दिसंबर को फैसला सुनाएगी। यह मामला 2017 का है, जब आजम खान पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में सेना के खिलाफ विवादित बयान देने का आरोप लगा था। बीजेपी विधायक आकाश सक्सेना ने उनके खिलाफ केस दर्ज कराया था।

10 सबसे प्रदूषित शहरों में गाजियाबाद टॉप पर, यह प्रदूषण पूरे एनसीआर में फैला

-दिल्ली के स्मॉग के लिए ट्रांसपोर्ट, इंडस्ट्री और पावर जनरेशन मुख्य कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में नवंबर सबसे प्रदूषित महीना रहा। इस दौरान भारत के टॉप 10 सबसे प्रदूषित शहरों में गाजियाबाद इस सूची में सबसे ऊपर रहा, जबकि राजधानी दिल्ली चौथे नंबर पर आई। एक रिपोर्ट के मुताबिक हरियाणा के बहादुरगढ़ को छोड़ दें तो टॉप 10 शहरों में से किसी में भी एक दिन भी हवा साफ नहीं रही। यह प्रदूषण पूरे एनसीआर में फैला है और एक शहर का प्रदूषण दूसरे शहरों की हवा को भी खराब कर रहा है।

दिल्ली में नवंबर में पीएम2.5 का औसत स्तर 215 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटररहा, जो अक्टूबर के मुकाबले दोगुना था। अक्टूबर में यह स्तर 107 था। दिल्ली में 23 दिन हवा बहुत खराब श्रेणी में रही और 6 दिन गंभीर श्रेणी में। इससे पता चलता है कि सर्दियों में स्मॉग यानी धुएं और कोहरे का मिश्रण कितना खतरनाक हो जाता है। गाजियाबाद में नवंबर में पीएम2.5 का औसत स्तर 224 दर्ज किया गया, जो राष्ट्रीय सुरक्षित सीमा से तीन गुना से भी ज्यादा है। गाजियाबाद में 19 दिन हवा बहुत खराब और

10 दिन गंभीर रही। इस लिस्ट में नोएडा, ग्रेटर नोएडा, बहादुरगढ़, हापुड़, बागपत, सोनीपत, मेरठ और रोहतक जैसे शहर भी शामिल थे। इस तरह एनसीआर देश का सबसे प्रदूषित इलाका बन गया। यूपी के 6 शहर टॉप 10 में थे, हरियाणा के 3 और दिल्ली का 1 शहर।

एनालिस्ट मनोज कुमार ने कहा कि पराली जलाने का असर काफी कम होने के बावजूद, एनसीआर के 29 शहरों में से 20 में पिछले साल से ज़्यादा प्रदूषण रहा। कई शहरों में तो एक दिन भी हवा राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक मानकों के अंदर नहीं रही। इससे साफ पता चलता है कि प्रदूषण के मुख्य कारण साल भर रहने वाले स्रोत हैं, जैसे कि गाड़ियां, इंडस्ट्री, पावर प्लांट और दूसरी तरह के जलने वाले स्रोत। अगर इन क्षेत्रों में प्रदूषण कम नहीं किया गया, तो शहर लगातार मानकों को तोड़ते रहेंगे।

यह बात गौर करने वाली है कि इस नवंबर में दिल्ली के प्रदूषण में पराली जलाने का योगदान काफी कम रहा। पिछले साल जहां यह 20फीसदी था, वहीं इस साल यह औसतन 7फीसदी रहा। सबसे ज्यादा योगदान भी 38फीसदी से घटकर 22फीसदी हो गया। इससे यह संकेत मिलता है कि अब दिल्ली के स्मॉग के लिए स्थानीय, साल भर रहने वाले स्रोत जैसे कि ट्रांसपोर्ट, इंडस्ट्री और पावर जनरेशन मुख्य कारण बन गए हैं।

अब कांग्रेस को बाय-बाय करेंगे सिद्धू बोले- पंजाब में सीएम पद को लेकर भारी घमासान

चंडीगढ़, । पंजाब कांग्रेस की आतंरिक कलह अब सड़क पर आ गई है। कांग्रेस नेता नवजोत कौर सिद्धू ने पंजाब कांग्रेस के भीतर चल रहे गहरे आंतरिक मतभेदों को खुलकर सामने ला दिया है। उन्होंने दावा किया है कि पार्टी के भीतर ही पांच नेता मुख्यमंत्री पद की दौड़ में हैं और वे अपनी ही पार्टी के खिलाफ काम कर रहे हैं। नवजोत कौर सिद्धू ने नवजोत सिंह सिद्धू की पार्टी में वर्तमान स्थिति और भविष्य को लेकर चौंकाने वाले बयान दिए हैं। नवजोत कौर सिद्धू ने चंडीगढ़ में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से अपनी मुलाकात के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तथाकथित वीवीआईपी ने शिवालिक रेंज में बड़े पैमाने पर जमीन पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि सुनने में आया है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान इसे वैध बनाने जा रहे हैं, जो वह नहीं कर सकते, क्योंकि यह जमीन सरकार की है।

उनका दूसरा मुद्दा कानून व्यवस्था से संबंधित था, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी है। तीसरा मुद्दा पंजाब यूनिवर्सिटी से संबंधित था। उनका चौथा बिंदु यह था कि नए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम गुरु तेग बहादुर जी के नाम पर रखा जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, पांच नेता पहले से ही मुख्यमंत्री की दौड़ में हैं, जो अपनी ही पार्टी के खिलाफ काम कर रहे हैं। उनकी यह टिप्पणी पंजाब कांग्रेस में प्रमुख नेताओं के बीच चल रहे सत्ता संघर्ष और गुटबाजी को उजागर करती है उन्होंने कहा कि नवजोत सिद्धू भावनात्मक रूप से कांग्रेस और प्रियंका गांधी से जुड़े हुए हैं, लेकिन भारी गुटबाजी के कारण उन्हें कोई भूमिका नहीं मिलेगी। उन्होंने सिद्धू के भविष्य पर टिप्पणी करते हुए कहा, अगर कोई पार्टी हमें कोई भूमिका देती है, तो हम पंजाब को फिर से सोना बना सकते हैं। अगर कांग्रेस उन्हें मुख्यमंत्री बनाती है तो वह वापस लौट आएंगे। अन्यथा वह जीवन में खुश हैं।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग का बिहार में तांडव: फार्म हाउस में तोड़-फोड़, लूट और आगजनी, चार गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने एक बार फिर खौफ फैलाया है। बेतिया के मैनाटांड़ थाना क्षेत्र स्थित चिउटाहा गांव में गैंग के शातिर सदस्य शशांक पांडेय ने अपने साथियों के साथ मिलकर शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे किसान जिशान जुल्फेकार के फार्म हाउस पर हमला बोल दिया। लगभग दो सौ की संख्या में हथियारों से लैस गुंडों ने चहारदीवारी तोड़ दी, मवेशी और रखा हुआ धान-गेहूं लूट लिया तथा पूरे फार्म हाउस को आग के हवाले कर दिया। पीड़ित जिशान जुल्फेकार ने दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि शशांक पांडेय ने पिस्टल कनपटी पर सटाकर जान से मारने की धमकी दी और रंगदारी के रूप में पूरा फार्म हाउस अपने नाम करने को कहा। जब पड़ोस में रहने वाली सहबुन खातून ने विरोध किया तो शशांक ने उसकी कनपटी पर पिस्टल टिका दी और साथी अविनाश मिश्रा ने रॉड से हमला कर उसे गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। हमलावरों ने सहबुन के घर से आभूषण और नकदी सहित कीमती सामान भी लूट लिया। सूचना मिलते ही नरकटियागंज एसडीएम सूर्यप्रकाश गुप्ता, एसडीपीओ जयप्रकाश सिंह, इंस्पेक्टर राजीव कुमार, थानाध्यक्ष शंभू शरण गुप्ता सहित भारी पुलिस बल और एसएसबी के जवान मौके पर पहुंचे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी शशांक पांडेय, अविनाश मिश्रा, हरिराज मांझी और रघु मांझी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इलाके में तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस ने कैंप कर रखा है। एफआईआर में शशांक पांडेय सहित कुल 16 लोग नामजद किए गए हैं, जिनमें दीपेंद्र कुमार, दीपक कुमार, धीरेंद्र मांझी, महंत मांझी, बली राम पटेल, सकलो मांझी, राधिका देवी, विजय साह आदि शामिल हैं। पुलिस का दावा है कि बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

हुमायूं पर भड़की ममता कहा- सांप्रदायिक नफरत भड़काने वालों के खिलाफ जारी रहेगी लड़ाई

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के शिलान्यास ने प्रदेश की राजनीति को तेज कर दिया है। इसकी शुरुआत टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूँ कबीर ने बाबरी मस्जिद की नींव रखकर शुरुआत कर दी। इस पर राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने साफ शब्दों में कहा है कि सांप्रदायिक माहौल खराब करने वालों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। इसी खींचतान के बीच शनिवार 6 दिसंबर को संहति दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाल की सदियों पुरानी सह-अस्तित्व की परंपरा को रेखांकित किया और एकता और सद्भाव की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए याद दिलाया कि बंगाल की पहचान अनेकतावाद में निहित है। बनर्जी ने लिखा, मैं संहति दिवस/संप्रीति दिवस पर सभी को हार्दिक बधाई देती हूँ। बंगाल एकता की धरती है, टैगोर, नज़रुल, रामकृष्ण और विवेकानंद की धरती है। यह मिट्टी कभी भी विभाजनकारी ताकतों के सामने नहीं झुकी है और न कभी झुकेगी।

गौरतलब है कि तृणमूल कांग्रेस छह दिसंबर को बाबरी मस्जीद गिराए जाने की याद में संहति दिवस मनाती है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि राज्य में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन और बौद्ध हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम अपनी खुशियाँ साझा करते हैं क्योंकि हमारा मानना है कि धर्म व्यक्तिगत है, लेकिन त्योहार सभी के लिए हैं। सांप्रदायिक नफरत की आग भड़काने और देश को नष्ट करने वालों के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी। आइए, हम सब शांति और सद्भाव बनाए रखें।मुख्यमंत्री का यह संदेश ऐसे समय में आया जब पार्टी के निष्कासित विधायक हुमायूँ कबीर मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की शैली में एक मस्जिद की आधारशिला रख रहे थे। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम का उद्देश्य मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे अल्पसंख्यक-बहुल जिलों में अल्पसंख्यक वोट बैंक को मजबूत करना है। इस घटनाक्रम से राज्य में राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है भाजपा के समर्थक और तृणमूल कांग्रेस के समर्थक एक दूसरे के आमने सामने आकर खड़े हो गये हैं। दोनों पक्षों के इस रूख से राज्य के पहले से तनावपूर्ण सांप्रदायिक परिस्थितियों में तनाव और गहरा हो गया है।

भाजपा समर्थक संगठन भी अपनी शक्ति प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। रविवार को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक विशाल धार्मिक समागम आयोजित किया जा रहा है, जहाँ लगभग पाँच लाख लोगों के एकजुट होकर भगवद्गीता का पाठ करने की उम्मीद है। विशेषज्ञ इस कार्यक्रम को आगामी विधानसभा चुनावों के पहले हिंदू मतदाताओं को मजबूत करने के लिए एक बड़े प्रयास के रूप में देख रहे हैं। पंच लक्ष कंठे गीतापाठ (पाँच लाख कंठों से गीता पाठ) नामक यह कार्यक्रम विभिन्न धार्मिक संगठनों की एक छत्र संस्था सनातन संस्कृति संसद द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस सामूहिक पाठ को बंगाल में अब तक का सबसे बड़ा सामूहिक पाठ बताया जा रहा है।

आयोजकों ने बताया कि योग गुरु बाबा रामदेव, बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री और पद्म भूषण से सम्मानित साध्वी ऋतंभरा मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने वाले हैं। बंगाल के

राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भी इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति की पुष्टि की है। आयोजकों ने हालांकि इस कार्यक्रम को विशुद्ध रूप से धार्मिक पहल बताया है, लेकिन भाजपा की प्रमुख हस्तियों की भागीदारी ने इसके राजनीतिक उद्देश्य के बारे में अटकलों को जन्म दिया है। सूत्रों ने पुष्टि की कि भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी जैसे वरिष्ठ नेताओं के इस आयोजन में शामिल होने की संभावना है।बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखे जाने और भाजपा के व्यापक गीता पाठ कार्यक्रम दोनों के लगभग साथ-साथ होने से बंगाल का राजनीतिक संघर्ष तीव्र हो गया है और प्रत्येक खेमा अपने मूल मतदाताओं को सक्रिय करने के लिए धार्मिक प्रतीकों का उपयोग कर रहा है, क्योंकि जल्द ही राज्य में चुनाव होने वाले हैं।

कब तक भारत में शरण लेकर रहेंगी शेख हसीना, जयशंकर ने कहा... वे जब तक चाहें रह सकती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पूर्व बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में ठहरने को उनकी निजी पसंद बताया। उन्होंने कहा कि इसका निर्णय उन परिस्थितियों से जुड़ा है जिनके चलते वे भारत आईं। 78 वर्षीय शेख हसीना बीते साल अगस्त में भारत आई थीं, जब बांग्लादेश में उनकी 15 साल की सत्ता का अंत हिंसा के बीच हुआ था। एक कार्यक्रम में विदेश मंत्री जयशंकर ने शेख हसीना के भारत में लंबे समय तक रहने और भारत-बांग्लादेश संबंधों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि शेख हसीना का भारत में रहना मूलतः उनका व्यक्तिगत फैसला है, लेकिन जिन परिस्थितियों में वे सत्ता छोड़कर भारत आईं वे इस फैसले के पीछे महत्वपूर्ण कारक हैं। लेकिन फिर भी, अंतिम फैसला उन्हें ही करना है।

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने शेख हसीना को आश्वासन दिया है कि वह जब तक चाहें, भारत में रह सकती हैं। भारत सरकार ने पहले भी कई बार कहा है कि मानवीय आधार पर हसीना को शरण दी गई है और उनकी सुरक्षा तथा सुविधा का पूरा ध्यान हमारी सरकार रख रही है।

भारत-बांग्लादेश संबंधों के संदर्भ में जयशंकर ने पड़ोसी देश में लोकतंत्र की मजबूती

पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान अंतरिम सरकार के नेताओं ने खुद माना था कि उनका मुख्य विरोध पिछले चुनावों (जनवरी 2024) के तरीके से था। विदेश मंत्री ने दोनों देशों के रिश्तों को लेकर आशा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भारत की शुभकामना है कि बांग्लादेश तरक्की करे। एक लोकतांत्रिक देश के रूप में हम चाहते हैं कि पड़ोसी देश में भी जनता की इच्छा का सम्मान लोकतांत्रिक प्रक्रिया से किया जाए। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जो भी परिणाम आएगा, उसमें भारत-बांग्लादेश संबंधों को लेकर संतुलित और परिपक्व दृष्टिकोण होगा और उम्मीद है कि रिश्ते और बेहतर होने है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कई बार हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है, लेकिन भारत ने अब तक इस पर कोई सकारात्मक जवाब नहीं दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत हसीना को प्रत्यर्पित करने के बजाय बांग्लादेश में स्थिर और भारत-अनुकूल सरकार की वापसी की प्रतीक्षा कर रहा है। फिलहाल, शेख हसीना का भारत में रहना और दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध अगले कुछ महीनों में होने वाले संभावित चुनावों पर काफी हद तक निर्भर करेगा।

बाबरी मस्जिद का शिलान्यास नया विवाद, बाबा रामदेव ने कहा - बाबर का महिमामंडन करने वाले देश के गद्दार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूँ कबीर ने 6 दिसंबर को एक नई बाबरी मस्जिद का शिलान्यास करके पूरे देश में तीखी बहस छेड़ दी है। यह वही तारीख है जब 1992 में अयोध्या की विवादित बाबरी ढांचा कारसेवकों ने ढहा दिया था। जानबूझकर इसी तारीख का चयन करने को कई लोग उकसावे की कार्रवाई मान रहे हैं, जबकि हुमायूँ कबीर इसे अपना संवैधानिक अधिकार बता रहे हैं।

इस घटना पर सबसे तीखी प्रतिक्रिया योग गुरु बाबा रामदेव की आई। रामदेव ने बिना नाम लिए हुमायूँ कबीर और ऐसे सभी लोगों पर करारा हमला बोला जो बाबर का महिमामंडन करते हैं। उन्होंने कहा, ÷बाबर इस देश का नहीं था। जो लोग भी उसका गुणगान करते हैं, वे भारत के गद्दार हैं। 6 दिसंबर गुलामी के प्रतीकों को मिटाने का दिन है। भारत की जनता अब जाग गई है, वह किसी विदेशी आक्रमणकारी का महिमामंडन बर्दाश्त नहीं करेगी। रामदेव ने आगे कहा, यह देश महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, राजगुरु, सनातन धर्म और भगवान शिव का है,

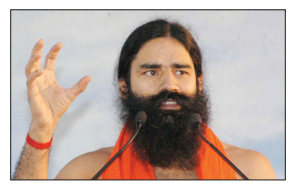

बाबर का नहीं। बाबर एक क्रूर विदेशी लुटेरा था। हम इस्लाम या मुसलमानों के खिलाफ नहीं हैं, क्योंकि बाबर न इस्लाम का सच्चा अनुयायी था और न ही वह मुसलमानों का प्रतिनिधि था। उसका नाम लेकर मस्जिद बनाना या उसकी तारीफ करना गलत है।

दूसरी ओर हुमायूँ कबीर ने अपने कदम का पुरजोर बचाव किया है। शिलान्यास समारोह में उन्होंने कहा, संविधान मुझे धार्मिक स्थल बनाने का पूरा अधिकार देता है। कोई मंदिर बना सकता है, कोई चर्च बना सकता है, तो मैं मस्जिद क्यों नहीं बना सकता? सुप्रीम कोर्ट ने भी माना कि बाबरी ढांचा हिंदू कारसेवकों ने गिराया था और हिंदुओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए वहाँ राम मंदिर बन रहा है। लेकिन संविधान मुझे भी मस्जिद बनाने की इजाजत देता है। इसमें असंवैधानिक कुछ नहीं है। कबीर ने दावा किया कि उनके खिलाफ पांच आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं, लेकिन ये मामले मस्जिद के निर्माण को नहीं रोक पाएंगे। उन्होंने कहा, जिसे अल्लाह का साथ हो, उसे कोई नहीं रोक सकता। अदालतें भी कह चुकी हैं कि भारत में मस्जिद बनाने का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित 'नई बाबरी मस्जिद'का बजट लगभग 300 करोड़ रुपये है। मस्जिद के साथ-साथ एक बड़ा अस्पताल, अतिथि गृह और सभा भवन भी बनाया जाएगा। उनका कहना है कि यह परियोजना केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक सेवा का भी बड़ा केंद्र बनेगी। इस पूरे प्रकरण ने एक बार फिर देश में धार्मिक स्थलों, इतिहास और संवैधानिक अधिकारों को लेकर पुरानी बहस को हवा दे दी है। एक पक्ष इसे 6 दिसंबर की तारीख के साथ जानबूझकर किया गया उकसावा मान रहा है तो दूसरा पक्ष इसे मौलिक धार्मिक स्वतंत्रता का मामला बता रहा है। दोनों ओर से तीखी बयानबाजी के बीच पश्चिम बंगाल की सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस ने हुमायूँ कबीर को पहले ही पार्टी से निलंबित कर रखा है, जिससे यह संकेत देता है कि ममता बनर्जी की पार्टी इस विवाद से दूरी बनाए रखना चाहती है।

हाईकोर्ट की तीखी टिप्पणी कहा- भारत में है सबसे ज्यादा नस्ल और रंगभेद

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय समाज दुनिया में सबसे ज्यादा नस्लवाद और रंगभेद करने वाले समाजों में से एक है। यह कर्नाटक हाईकोर्ट की तरफ से टिप्पणी शुक्रवार को की गई। कोर्ट ने कहा कि हम भारतीय भले ही कई बार दूसरों के ऊपर नस्लवाद और रंगभेद का आरोप लगाते हैं लेकिन असल में हम सबसे बड़े नस्लवादी और रंगभेदी हैं। जस्टिस अरुण ने भारत की गुलामी के लिए भी नस्लवादी और रंगभेदी सोच को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, कुछ हजार अंग्रेज ईस्ट इंडिया कंपनी के सुरक्षा कर्मियों ने हमें इसलिए गुलाम बना लिया था क्योंकि हमारे भीतर उस समय भारतीयता का कोई बोध नहीं था। 200 साल की गुलामी के बाद जैसे ही वह भाव आया, हमने अँग्रेजों को भगा दिया। अब प्राइवेट कंपनियों और कॉरपोरेट सेक्टर का नव-उपनिवेशवाद शुरु हो गया है। इसका कारण फिर वही है... क्योंकि हम फिर उसी पुरानी आदत पर लौट आए हैं... इंसान को इंसान के रूप में न देखना। जस्टिस अरुण ने राजनीतिक प्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि समाज के इसी रवैये की वजह से राजनीतिक पार्टियां भी इसके अनुसार ही नेताओं का चयन करती हैं। उन्होंने कहा, हम हर समुदाय को अलग प्रजाति की तरह देखते हैं और उसी के आधार पर भेदभाव करते हैं। इसी वजह से राजनीति में टिकट देने के समय भी पार्टियां उम्मीदवार की योग्यता से ज्यादा उसके समुदाय को महत्व देती हैं। हम कहते हैं की नेता भ्रष्ट हैं, लेकिन सच्चाई तो यह है कि लोकतंत्र में जनता को वही नेता मिलता है जिसके वह योग्य होते हैं।

एंकर सुधीर चौधरी बनाम कर्नाटक राज्य केस की सुनवाई करते हुए जस्टिस अरुण ने कहा कि हम भारतीयों की इसी मानसिकता की वजह से भारत में समुदाय आधारित राजनीति और तुष्टिकरण की नीतियां बहुत आम हैं। उन्होंने कहा, हम भारतीयों की... हमारे हर समुदाय की यही समस्या है कि हम नहीं समझते कि यहां केवल एक ही प्रजाति है, जिसे होमो सेपियंस कहते हैं। हम दुनिया की सबसे बड़े नस्लवादी समाजों में से एक हैं। हम दूसरे समाजों पर नस्लवाद और रंगभेद का आरोप लगाते हैं, लेकिन सच्चाई यही है कि हम भी किसी से कम नहीं है।

हाई कोर्ट की यह टिप्पणी न्यूज एंकर सुधीर चौधरी के केस में की, जिसमें उन्होंने 2023 में दर्ज किए गए एक हेट स्पीच केस को रद्द करने की मांग की थी। चौधरी पर आरोप था कि उन्होंने कर्नाटक सरकार की स्वावलंबी सारथी योजना पर झूठी और भड़काऊ रिपोर्ट चलाई है।जस्टिस अरुण ने पूछा कि क्या रिपोर्ट में सच में ऐसा कोई तथ्यात्मक झूठ था? क्या रिपोर्ट में यह था कि यह योजना केवल एक ही समुदाय को लाभ पहुंचाकर हिंदुओं को वंचित कर रही है। इस पर शिकायतकर्ता के वकील ने कहा कि शो में मुस्लिम समुदाय का दानवीकरण किया गया और उनके खिलाफ घृणा फैलाई गई। हालांकि, जस्टिस अरुण ने कहा कि राज्य

और शिकायतकर्ता यह साबित नहीं कर पाते कि रिपोर्ट में स्पष्ट झूठ कहा गया था तो चैनल और एंकर को राहत मिल सकती है।अंतरिम आदेश पारित करते हुए जस्टिस अरुण ने कहा कि भले ही प्रतिवादी इस बात का दावा कर रहे हों कि भड़काऊ सामग्री है, लेकिन वह इसे साबित करने में सक्षम नहीं है कि कौन सा तथ्य झूठ है। इस मामले की सुनवाई अब 13 जनवरी 2026 को होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

बाब-अल-मंदेब में मालवाहक जहाज पर समुद्री लुटेरों का हमला

दुबई, एजेंसी। दुबई के पास बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य में शुक्रवार को एक मालवाहक जहाज पर संदिग्ध समुद्री लुटेरों ने हमला किया। ब्रिटिश सैन्य के यूके मेरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर के अनुसार, छोटे जहाजों ने बड़े पोत का दूर तक पीछा करने के बाद उस पर गोलीबारी की। निजी सुरक्षा कंपनी डायप्लस ग्रुप ने बताया कि जहाज पर दो बार हमला होने के बाद ही सवार सशस्त्र गार्डों ने जवाबी फायरिंग की। हालांकि, इस हमले में किसी भी क्रू को नुकसान नहीं पहुंचा है। बता दें कि यह मार्ग लाल सागर और अदन की खाड़ी को जोड़ता है। यहां पहले यमन के हूती विद्रोहियों और सोमालियाई समुद्री लुटेरों की गतिविधियां देखी गई थीं। फिलहाल गाजा संघर्ष में अस्थायी युद्धविराम के कारण हूती हमले रुके हुए हैं।

सीरिया में अमेरिकी छापे में चूक के चलते आईएस अधिकारी की जगह मारा गया खुफिया एजेंट

दमिश्क, एजेंसी। पश्चिम एशियाई देश- सीरिया के डुमेयर में अमेरिकी छापे में चूक के चलते आईएस अधिकारी की बजाय एक खुफिया एजेंट मारा गया। अक्तूबर में एक अमेरिकी छापे में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के अधिकारी को निशाना बनाया गया था, लेकिन इसके बजाय वर्षों से आईएस में घुसपैठ कर खुफिया जानकारी जुटा रहे खुफिया एजेंट खालिद अल-मसूद की जान चली गई। परिवार और सीरियाई अधिकारियों ने बताया कि अल-मसूद अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा की सरकार के लिए काम कर रहे थे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह गलती आईएस-विरोधी अभियानों के लिए बड़ा झटका हो सकती है। इस बीच अमेरिकी सेनाओं ने दक्षिण सीरिया में आईएस के 15 हथियार भंडार को एक अभियान के तहत खत्म किया है।

स्पेन में स्वाइन फ्लू का प्रकोप, मलयेशिया में सूअर के मांस के आयात पर प्रतिबंध

मैड्रिड , एजेंसी। मलयेशिया ने स्पेन में अफ्रीकन स्वाइन फ्लू (एएसएफ) के प्रकोप के बाद स्पेन से सूअर के मांस और उससे बने अधिकांश उत्पादों के आयात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। केवल रिपोर्ट उत्पादों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। वायरस पिछले महीने बार्सिलोना के पास जंगली सूअरों में पाया गया था और इसके बाद कई और मामले सामने आए। मलेशियाई वेटरनरी सर्विसेज विभाग ने कहा कि स्पेनिश सुअर तभी स्वीकार किया जाएगा जब उसके साथ 28 नवंबर या उससे पहले जारी स्वास्थ्य प्रमाण पत्र हो।

क्लाउडफ्लेयर नेटवर्क में खराबी से ठप रहीं लिंक्डइन-जूम साइटें

वाशिंगटन, एजेंसी। इंटरनेट अवसंरचना कंपनी क्लाउडफ्लेयर में खराबी के कारण शुक्रवार को लिंक्डइन व जूम सहित कई वैश्विक वेबसाइटें ठप रहीं। कंपनी ने कहा कि वह तकनीकी खामी की जांच कर रही है। क्लाउडफ्लेयर की तरफ से मुहैया कराई जा रही सेवाओं में तीन हफ्ते से भी कम समय में दूसरी बार खामी आई है। क्लाउडफ्लेयर ने दावा किया कि समस्या का समाधान हो गया है। वह क्लाउडफ्लेयर डैशबोर्ड और संबंधित एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) के साथ समस्याओं की जांच कर रही है जो सॉफ्टवेयर प्रणाली को एक दूसरे के साथ समन्वय करने में सक्षम बनाते हैं। इस बीच, सोशल मीडिया मंच पर उपयोगकर्ताओं ने वेबसाइट इस्तेमाल करने में आने वाली समस्याओं की सूचना दी।

यूक्रेन युद्ध पर शांति वार्ता सफल हुई तो भी पुतिन के खिलाफ वारंट नहीं हटेगा : आईसीसी

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) की उप अभियोजक नजहत शमीम खान ने कहा कि यूक्रेन युद्ध को लेकर शुरू हुई शांति वार्ताओं के सफल होने पर भी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट खत्म नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अदालत की जांच तभी रोकी जा सकती है जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद इसे अस्थायी तौर पर स्थगित करने का अनुरोध करे। खान ने कहा, जब एक बार जांच शुरू हो जाती है, तो हम अपने नियामक ढांचे के तहत ही आगे बढ़ते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि न्याय और शांति एक-दूसरे के पूरक हैं। स्थायी शांति के लिए जवाबदेही जरूरी है। बता दें कि बीते कुछ हफ्तों में अमेरिका, यूक्रेन और रूस के अधिकारी संभावित समझौते पर बातचीत के लिए कई दौर की बैठकों में शामिल हुए हैं। लेकिन खान ने कहा कि आईसीसी की प्रक्रिया इन वार्ताओं से प्रभावित नहीं होगी।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान में फिर बढ़ा तनाव, रातभर हुई जमकर गोलीबारी; एक दूसरे पर बरसे

काबुल, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ रहा है। दोनों देशों की सेनाओं के बीच शुक्रवार देर रात सीमा पर गोलीबारी हुई लेकिन इस दौरान किसी के हताहत होने या किसी प्रकार नुकसान की कोई खबर नहीं मिली है। दोनों पक्षों ने पिछले दो महीने से लागू संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन कर गोलीबारी करने के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया। सीमा पर तनाव कम करने और संघर्ष विराम को कायम रखने के उद्देश्य से अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच नवंबर में हुई बातचीत असफल रही थी लेकिन अक्टूबर में कतर की मध्यस्थता से किया गया संघर्ष विराम समझौता मुख्यतः कायम रहा।

गोलीबारी से एक दिन पहले ही पाकिस्तान ने कहा था कि वह संयुक्त राष्ट्र को चमन और तोरखम सीमा के रास्ते अफगानिस्तान में राहत सामग्री भेजने की अनुमति देगा। ये सीमाएं बढ़ते तनाव के कारण लगभग दो महीने से बंद हैं। पाकिस्तानी स्थानीय पुलिस अधिकारी मोहम्मद सादिक ने दावा किया कि गोलीबारी अफगानिस्तान की ओर से शुरू हुई और पाकिस्तानी सैनिकों ने चमन सीमा के पास जवाबी गोलीबारी की।

काबुल में, अफगान तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहउल्ला मुजाहिद ने पाकिस्तान पर गोलीबारी शुरू करने का आरोप लगाया। अफगान सीमा पुलिस के प्रवक्ता अब्दीदुल्ला फारूकी ने भी कहा कि पहले पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान की ओर स्पिन बोल्दक सीमा क्षेत्र में एक हथगोला फेंका, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान संघर्ष विराम को लेकर प्रतिबद्ध है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता मुशर्रफ जैदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि इससे पहले शाम को, 'अफगान तालिबान शासन ने चमन सीमा पर बिना किसी कारण गोलीबारी की।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना पूरी तरह सतर्क है और देश की क्षेत्रीय अखंडता व अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अक्टूबर में सीमा पर हुईं झड़पों के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। इस संघर्ष में दर्जनों सैनिक, आम नागरिक एवं संदिग्ध चरमपंथी मारे गए और दोनों पक्षों के सैकड़ों लोग घायल हो गए। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में नौ अक्टूबर को हुए विस्फोटों के बाद हिंसा भड़क उठी। इन विस्फोटों के लिए तालिबान सरकार ने पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया और बदला लेने का संकल्प लिया। हाल के वर्षों में दोनों पड़ोसी देशों के बीच यह सबसे भीषण संघर्ष था। कतर की मध्यस्थता से हुए संघर्ष विराम समझौते से तनाव कुछ हद तक कम हुआ लेकिन इस्तांबुल में बाद में हुई शांति वार्ता के दौरान कोई समझौता नहीं हो सका।

नेशनल गार्ड की तैनाती को लेकर घिरे राष्ट्रपति ट्रंप, संघीय अदालत ने उठाए सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक संघीय जज ने शुक्रवार को ट्रंप प्रशासन के कैलिफोर्निया नेशनल गार्ड तैनात करने के फैसले पर सवाल उठाए। ट्रंप प्रशासन ने पहले लॉस एंजिलिस में नेशनल गार्ड्स की तैनाती की और इसे लेकर हिंसक विरोध प्रदर्शन भी हुए। सैन फ्रांसिस्को में सुनवाई के दौरान यूएस डिस्ट्रिक्ट जज चार्ल्स ब्रेयर ने सवाल किया कि क्या प्रशासन संघीय कानून की आड़ में हमेशा के लिए स्टेट गार्ड्स को नियंत्रित कर सकती है।

जज ने संघीय सरकार से किए तीखे सवाल : जज ने कहा कोई संकट हमेशा नहीं रहता। मेरा मानना है कि अनुभव हमें सिखाते हैं कि संकट आते-जाते रहते हैं और ऐसा ही चलता है। जज ने संघीय सरकार के अटॉर्नी से पूछा कि क्या ऐसा कोई सबूत है, जिससे साबित हो कि राज्य सरकार सक्षम नहीं हैं या संघीय लोगों और संघीय संपत्ति की सुरक्षा नहीं कर सकती? गौरतलब है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कैलिफोर्निया में हजारों नेशनल गार्ड्स की तैनाती की है।

जज ने नेशनल गार्ड्स की तैनाती को अवैध करार दिया : कैलिफोर्निया प्रशासन ने अदालत से अपील की कि राज्य में तैनात नेशनल गार्ड्स का नियंत्रण अब राज्य सरकार को सौंपा जाए, लेकिन जज ने फिलहाल ऐसा करने से इनकार कर दिया, लेकिन जज ने कैलिफोर्निया में नेशनल गार्ड्स की तैनाती को अवैध करार दिया है। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोन्टा ने कहा, 'नेशनल गार्ड राष्ट्रपति की कोई निजी आर्मी नहीं है, जिसे वे जहां चाहे, वहां तैनात कर दें और उसकी कोई वजह भी न बताएं।' अप्रवासन कार्रवाई का विरोध होने पर राष्ट्रपति ट्रंप ने कैलिफोर्निया में चार हजार से ज्यादा नेशनल गार्ड्स की तैनाती की थी। हालांकि अब उनकी संख्या घटकर करीब 100 ही रह गई है।

पाकिस्तानी सेना बोली- इमरान मानसिक रूप से बीमार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी सेना ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 'मानसिक रूप से बीमार' बताया है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के डायरेक्टर जनरल लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इमरान खान राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सीधा खतरा हैं। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस नए चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज हेडक्वार्टर के उद्घाटन के तुरंत बाद हुई। रिपोर्टर्स से बात करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने कई बार इमरान खान की आलोचना की। उन्होंने खान का एक ट्वीट दिखाते हुए कहा कि यह जानबूझकर सेना के खिलाफ नरेटिव बनाने की कोशिश है।

सेना बोली- राजनीति में सेना को न घसीटें : डीजी आईएसपीआर चौधरी ने खान को ऐसा शख्स बताया जो संविधान से ज्यादा अपने व्यक्तिगत फायदे को प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा, 'एक व्यक्ति सोचता है कि अगर वो नहीं है, तो कुछ भी नहीं। वह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन चुका है। उसे लगता है कि मेरे बिना कुछ नहीं चल सकता। चौधरी ने कहा कि किसी को भी पाकिस्तान की सेना और जनता के बीच दरार पैदा करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने राजनीतिक दलों से कहा कि अपनी राजनीति में सेना को न घसीटें। संस्थाओं की सीमाओं का सम्मान करें।

हिरासत में मिलने वालों पर सवाल : लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने यह भी सवाल उठाया कि जेल में बंद इमरान खान किस कानून के तहत लोगों से मिलते हैं और राज्य तथा सेना के खिलाफ नरेटिव तैयार करते हैं? उन्होंने पूछा, 'कौन सा कानून है जो एक कैदी को लोगों से मिलने और राज्य तथा पाकिस्तान की सशस्त्र सेनाओं के खिलाफ नरेटिव तैयार करने की अनुमति देता है?' उनका दावा था कि खान जब भी किसी से मिलते हैं, तो संविधान और कानून को किनारे रखकर राज्य और सेना के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश करते हैं।

प्रोफेसर ने यहूदी धर्म स्थल के पास चूहे मारने के लिए की पिस्तौल से गोलीबारी, विवाद के बाद अमेरिका छोड़ा

बोस्टन, एजेंसी। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के एक विजिटिंग प्रोफेसर कार्लोस पुर्तगाल गुवेआ को वीजा रद्द होने के बाद अमेरिका छोड़ना पड़ा है। ब्राजील मूल के गुवेआ ने पुलिस को बताया था कि उन्होंने अपने घर के पास चूहे मारने के लिए पिस्तौल का इस्तेमाल किया था। यह घटना योम किप्पुर (यहूदी समुदाय का पर्व) के दिन एक सिनेगॉग के पास हुई थी, जिसके बाद मामला तूल पकड़ गया। अमेरिकी आव्रजन विभाग ने बुधवार को कार्लोस को हिरासत में लिया। अधिकारियों के मुताबिक, गुवेआ निर्वासन का सामना करने के बजाय स्वेच्छा से अमेरिका से निकलने पर राजी हो गए। उनके वकील ने बताया कि वह गुरुवार को ब्राजील पहुंच गए। घटनास्थल के पास स्थित टेंपल बेथ जायन (सिनेगॉग) ने घटना के कुछ दिनों

बाद सोशल मीडिया पर कहा था कि मामले में यहूदी-विरोधी भावना का कोई संकेत नहीं मिला है। शुरुआत में पुलिस ने भी बताया था कि गुवेआ को पता नहीं था कि वह सिनेगॉग के पास हैं या उस दिन कोई धार्मिक पर्व है। उनका कहना था कि वह केवल चूहे मार रहे थे। इसके बावजूद, अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग ने इस घटना को यहूदी-विरोधी कृत्य बताते हुए कड़ा रुख अपनाया। विभाग की सहायक सचिव ट्रिशिया मैक्लॉफलिन ने कहा कि अमेरिका में काम करना और पढ़ाई करना एक विशेषाधिकार है, अधिकार नहीं। उन्होंने कहा कि ऐसे हिंसक यहूदी-विरोधी कृत्यों के लिए देश में कोई स्थान नहीं है। ब्रुकलाइन पुलिस के मुताबिक, घटना एक अक्तूबर की रात करीब नौ बजे हुई, जब योम किप्पुर के चलते सिनेगॉग में प्रार्थना चल रही थी। सुरक्षा गार्डों ने दो तेज आवाजें सुनीं और गुवेआ को एक पेड़ के पीछे बंदूक लिए खड़ा देखा। पुलिस के पहुंचने पर प्रोफेसर और एक अधिकारी के बीच हल्की झड़प भी हुई। हालांकि बाद में गुवेआ को काबू में कर लिया गया। गुवेआ के खिलाफ प्रारंभ में तीन मामूली और एक गंभीर आरोप लगाए गए थे। उन पर पिस्तौल का गलत इस्तेमाल करने, तोड़फोड़ करने, गलत व्यवहार करने और शांति भंग करने के आरोप लगाए गए थे। बाद में अधिकांश आरोप हटा दिए गए और केवल पिस्तौल का गैरकानूनी इस्तेमाल वाला आरोप रखा गया। अमेरिकी विदेश विभाग ने 16 अक्तूबर को गुवेआ का जे-1 वीजा रद्द कर दिया था। हार्वर्ड लॉ स्कूल की वेबसाइट पर उन्हें 2025 सेमेस्टर के लिए विजिटिंग प्रोफेसर बताया गया है। वह 'भ्रष्टाचार और असमानता सेमिनार' तथा 'सतत पूंजीवाद' जैसे पाठ्यक्रम पढ़ा रहे थे। वह साओ पाउलो विश्वविद्यालय के लॉ स्कूल में सहायक प्रोफेसर और ब्राजील स्थित ग्लोबल लॉ इंस्टीट्यूट के सीईओ भी हैं। हार्वर्ड ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। वहीं साओ पाउलो यूनिवर्सिटी के लॉ स्कूल के निदेशक सेल्सो कैंपिलोंगो ने गुवेआ का समर्थन करते हुए कहा कि उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप भ्रामक हैं और उन्होंने हमेशा मानवाधिकारों तथा यहूदी समुदाय के हितों का साथ दिया है।

नीरव मोदी की जेल बदलने से ब्रिटेन में मुकदमे की सुनवाई पर असर

लंदन, एजेंसी। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले के आरोपी और भारत में वांछित फरार व्यापारी नीरव मोदी की जेल बदले जाने से ब्रिटेन में बैंक ऑफ इंडिया से जुड़े 80 लाख डॉलर के बकाया ऋण मामले की सुनवाई में नई जटिलताएं पैदा हो गई हैं। वकील ने लंदन हाईकोर्ट को बताया कि नीरव मोदी को अब एक छोटे सेल में दूसरे कैदियों के साथ रहना पड़ रहा है और उनके पास अपने कानूनी दस्तावेजों तक पर्याप्त पहुंच नहीं है, जिससे उनकी केस तैयारी प्रभावित हो रही है। 54 वर्षीय मोदी को हाल ही में एचएमपी थेम्साइड से एचएमपी पेंटनविले स्थानांतरित किया गया था,

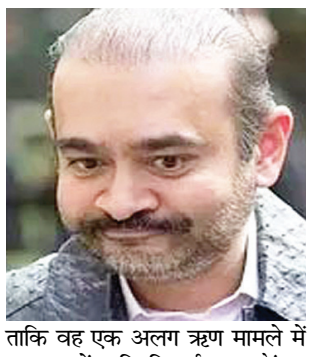

ताकि वह एक अलग ऋण मामले में अदालत में उपस्थिति दर्ज करा सकें।

जज साइमन टिंकलर को बताया गया कि जनवरी 2026 में निर्धारित मुकदमे से पहले मोदी को अपनी गवाही और बचाव तैयार करने के लिए अधिक समय चाहिए। जज टिंकलर ने टिप्पणी की कि आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध न होने से मोदी निष्पक्ष तरीके से अपनी बात पेश नहीं कर पाएंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि थेम्साइड जेल में मौजूद उनके सभी दस्तावेज तुरंत पेंटनविले जेल भेजे जाएं। अदालत ने मामले की अगली समीक्षा सुनवाई 19 दिसंबर को तय की है।

ऑनलाइन सुनवाई में मोदी के वकील ने कहा कि बिना आईटी सुविधा, छोटे सेल और साझा डेस्क की वजह से उनके मुवक्किल को गंभीर असुविधा हो रही है। वहीं बैंक ऑफ इंडिया के वकील ने इस दलील का विरोध करते हुए कहा कि मोदी लगातार देरी की रणनीति अपना रहे हैं और भारत प्रत्यर्पण से पहले ही सुनवाई पूरी हो जानी चाहिए।

2019 से ब्रिटेन में हिरासत में है मोदी: नीरव मोदी 2019 से ब्रिटेन में हिरासत में हैं और अब तक की सभी जमानत याचिकाएं खारिज हो चुकी हैं। भारत में उनके खिलाफ सबीआई, ईडी और गवाहों के साथ छेड़छाड़ से जुड़े तीन प्रमुख आपराधिक मामले लंबित हैं। 2021 में ब्रिटेन ने उनके प्रत्यर्पण को मंजूरी दी थी, लेकिन हाल ही में उनकी अपील दोबारा खोलने की अनुमति मिलने से प्रक्रिया एक बार फिर लंबी हो सकती है।

अमेरिका में अवैध प्रवासियों पर सख्ती बढ़ी, सोमालिया-मैक्सिको के 12 लोग गिरफ्तार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिनियापोलिस में फेडरल एजेंट्स ने इस सप्ताह अवैध रूप से रह रहे लोगों के खिलाफ बड़े पैमाने पर छापेमारी की। इस छापेमारी में 12 लोगों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई का मुख्य लक्ष्य सोमाली समुदाय के अवैध प्रवासियों पर था, लेकिन गिरफ्तार लोगों में केवल पांच सोमाली थे। बाकी में छह मेक्सिकन और एक एल साल्वाडोर का नागरिक था। बता दें कि मिनियापोलिस-सेन्ट पॉल क्षेत्र में अमेरिका की सबसे बड़ी सोमाली समुदाय रहती है। ट्रंप प्रशासन ने इससे पहले शिकागो, लॉस एंजिलिस और चार्लोट में भी बड़े पैमाने पर निर्वासन अभियान चलाया था। इसी तरह इस सप्ताह न्यू ऑरलियन्स में भी कार्रवाई की गई है, जहां अधिकारी 5,000 लोगों तक को गिरफ्तार करने की योजना बना रहे हैं।

गिरफ्तार लोगों में कुछ पर पहले से ही मामले दर्ज : मामले में डीएचएस की सहायक सचिव ट्रिशिया मैक्लॉगलिन ने कहा कि गिरफ्तार किए गए 12 लोगों में से अधिकांश सबसे बड़े अपराधी अवैध प्रवासी हैं। इनमें से आठ पर हिंसा, धोखाधड़ी, घरेलू हिंसा और नशे में ड्राइविंग जैसे मामले थे। वहीं मिनियापोलिस के मेयर जैकब फ्रे ने कहा कि शहर की पुलिस फेडरल इमिग्रेशन अभियान में भाग नहीं लेगी। इसके बावजूद डीएचएस की मैक्लॉगलिन ने फ्रे और वाल्ज़ पर आरोप लगाया कि उन्होंने इमिग्रेशन कानून लागू नहीं किया और नागरिकों की सुरक्षा को खतरे में डाला।

ट्रंप की आलोचना और विवाद क्यों : गौरतलब है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में सोमाली प्रवासियों को सार्वजनिक रूप से कचरा कहा। साथ ही कहा कि वे देश के लिए योगदान नहीं करते। उन्होंने मिनेसोटा के डेमोक्रेटिक गवर्नर टिम वाल्ज पर भी आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में सरकारी कार्यक्रमों में धोखाधड़ी हुई और इससे एक सोमाली कट्टरपंथी समूह को धन पहुंचा। इस छापेमारी और ट्रंप की टिप्पणियों की स्थानीय और राज्य अधिकारियों ने तीखी आलोचना की है।

ट्रंप खुश हुए ! अमेरिकी राष्ट्रपति को मिला 'फीफा शांति पुरस्कार', खुद ही उठाकर पहना

वाशिंगटन, एजेंसी। नोबेल शांति पुरस्कार की मांग कर रहे डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल तो नहीं लेकिन फीफा शांति पुरस्कार जरूर मिल गया है। फुटबॉल की वैश्विक संस्था अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने नए फीफा शांति पुरस्कार से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार खेल से इतर वैश्विक शांति को ध्यान में रखकर बनाया गया है और ट्रंप इसके पहले विजेता हैं।

फीफा ने क्यों दिया यह पुरस्कार : डोनाल्ड ट्रंप का नोबेल शांति पुरस्कार के लिए प्रेम किसी से छिपा नहीं है। ऐसा माना जा रहा है कि फीफा द्वारा इस साल से शुरू किया जा रहा है शांति पुरस्कार ट्रंप को ही मिलेगा। वैसे बी फीफा के वर्तमान अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो को ट्रंप का करीबी माना जाता है। वह कई बार खुले तौर पर इस बात को कह चुके हैं कि गाजा संघर्ष में युद्धविराम करवाने के लिए ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार मिलना ही चाहिए।

फीफा के अगले विश्वकप के लिए आयोजित किए जा रहे एक कार्यक्रम में जियानी ने अमेरिकी राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए ट्रंप को यह पुरस्कार देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा, 'यह आपके लिए एक सुंदर मेडल है, जिसे आप जहां चाहें, वहां पहन सकते हैं।' इसके बाद ट्रंप ने तुरंत ही इसे अपने गले में डाल लिया। इसके साथ ही ट्रंप को एक सर्टिफिकेट भी दिया गया, जिसमें ट्रंप को 'दुनिया में शांति और एकता बढ़ाने में योगदान' देने वाला बताया गया।

इसके अलावा जियानी ने ट्रंप को एक सोने की ट्राफी भी भेंट की। इस पर आगे ट्रंप का नाम लिखा हुआ था। उन्होंने कहा, 'आप इस शांति पुरस्कार के योग्य हैं, अपनी कोशिशों और उपलब्धियों के लिए। फीफा शांति पुरस्कार मिलने के

बाद ट्रंप उत्साहित नजर आए। उन्होंने कहा, 'यह मेरे जीवन के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है।' इसके बाद उन्होंने अपने परिवार, खासतौर पर अपनी पत्नी मेलानिया का धन्यवाद दिया और मेजबान देशों कनाडा और मेक्सिको के नेताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह तीनों देशों के लिए बेहतर रहेगा।

ट्रम्प ने कहा, 'ये मेरी जिंदगी के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है। अब दुनिया पहले से ज्यादा सुरक्षित जगह है।' इन्फेंटिनो ने कहा कि ट्रम्प को ये सम्मान दुनिया में शांति और एकता बढ़ाने के लिए दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रम्प को तो नोबेल पीस प्राइज भी मिलना चाहिए था, खासकर गाजा में युद्धविराम कराने की कोशिशों के लिए। ये पुरस्कार फीफा का पहला शांति पुरस्कार है। फीफा ने अभी तक इसके चयन की प्रक्रिया के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। कई फीफा अधिकारियों को भी ये घोषणा अचानक लगी थी। इससे एक दिन पहले वॉशिंगटन में इंस्टीट्यूट ऑफ पीस का नाम ट्रम्प के नाम पर 'डोनाल्ड जे. ट्रम्प इंस्टीट्यूट ऑफ पीस' कर दिया गया था। यहां कांगो और रवांडा के नेताओं ने ट्रम्प की मौजूदगी में शांति समझौता किया था।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दोस्ती, शारीरिक संबंध, स्पाई वीडियो, ब्लैकमेल और फिरौती का खेल

सूरत के बिल्डर को हनीट्रैप में फँसाने वाली युवती और वकील 20 लाख की फिरौती लेते रंगेहाथ पकड़े गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के एक बिल्डर के साथ दोस्ती, शारीरिक संबंध, स्पाई वीडियो, ब्लैकमेल और फिरौती की साजिश का खुलासा हुआ है। बिल्डर को हनीट्रैप में फँसाकर 50 लाख रुपये की फिरौती माँगने का मामला सामने आया है। सूरत क्राइम ब्रांच ने जाल बिछाकर बिल्डर से 20 लाख रुपये लेने आई युवती हेतल और वकील अभिषेक शयि को रंगेहाथ पकड़ लिया।

2022 में युवती और बिल्डर के बीच शुरू हुआ था संपर्क

घटना के अनुसार, वर्ष 2022 में

बड़ी रकम वसूलने की योजना बनाई। लेकिन सूरत क्राइम ब्रांच ने उसकी पूरी चाल नाकाम कर दी।

दोस्ती, संबंध, ब्लैकमेल और

सामान्य वीडियो कॉल और न्यूड वीडियो कॉल किए। बिल्डर को पता चले बिना वीडियो कॉल रिकॉर्ड कर लिए और फिर ब्लैकमेल

माँग की गई। बाद में यह रकम 42.50 लाख रुपये तय हुई।

DCP ने कहा - लोग सावधान रहें, भोग बनें तो तुरंत शिकायत करें

हेतल और वकील को रंगेहाथ पकड़ने के बाद DCP भावेश रोज़िया ने बताया कि हेतल और बिल्डर ढाई साल से संपर्क में थे।

हेतल ने न्यूड वीडियो कॉल के स्क्रीन रिकॉर्डिंग और अन्य वीडियो बनाकर 50 लाख की माँग की थी।

उन्होंने कहा कि लोग ऐसे हनीट्रैप गिरोह से सावधान रहें और यदि गलती से फँस जाएँ तो तुरंत पुलिस में शिकायत करें।

यह भी जाँच की जा रही है कि

20 लाख की पहली किश्त लेने पहुँची युवती और वकील पकड़े गए

हेतल और उसका साथी वकील अभिषेक शयि बिल्डर से 20 लाख रुपये की पहली किश्त लेने के लिए डुमस मॉल के फूड ज़ोन में पहुँचे। बिल्डर की पुलिस में शिकायत के बाद क्राइम ब्रांच पहले से तैयार थी। दोनों ने जैसे ही बिल्डर से 20 लाख रुपये लिए, पुलिस ने तुरंत उन्हें पकड़ लिया। दोनों से कुल 20.85 लाख रुपये का मुद्दामाल बरामद किया गया।

हेतल और बिल्डर 2022 से संपर्क में थे

शिकायत में बताया गया है कि 2022 में बिल्डर अपने एक मित्र के काम से बड़े वराछा क्षेत्र आए थे, जहाँ उनकी पहचान छोटे वराछा में रहने वाली हेतल से हुई। हेतल ने खुद ही मोबाइल नंबर दिया, फिर बातचीत और मुलाकातें बढ़ती गईं। दोनों मॉल और गार्डन में घूमने जाते थे। हेतल का तलाक हो चुका है और उसकी एक छोटी बेटी है। वह बेटी के साथ अकेली रहती है। बिल्डर उसकी आर्थिक मदद करते थे, घर खर्च के पैसे भी देते थे। प्रेम संबंध का हवाला देकर हेतल अलग-अलग होटलों में जाने को कहती थी, जहाँ दोनों शारीरिक संबंध बनाते थे। दूर होने पर वह न्यूड वीडियो कॉल करती थी और यह सिलसिला तीन साल चला। बाद में स्क्रीन रिकॉर्ड किए हुए न्यूड वीडियो भेजकर ब्लैकमेल करना शुरू किया गया। बिल्डर को डराने के लिए कतारगाम महिला पुलिस स्टेशन में भी एक आवेदन दिया गया था, जिसमें वकील अभिषेक ने मदद की थी।

सुरेश जैन उर्फ़ जयेश प्रजापति और अशोक नाम के अन्य दो लोगों की संलिप्तता भी सामने आई है।

आरोपी युवती और बिल्डर की पहचान हुई। इसके बाद दोनों अलग-अलग होटलों में जाते थे और शारीरिक संबंध बनाते थे। बिल्डर को पता चले बिना युवती ने उनके निजी क्षणों के वीडियो रिकॉर्ड कर लिए और

फिरौती का खेल

सूरत में रहने वाले इस बिल्डर की पहचान साल 2022 में हेतल बारैया नाम की महिला से हुई थी। दोनों के बीच बात-चीत बढ़ी और दोस्ती हो गई। हेतल को लगा कि बिल्डर पैसे वाले हैं, तो उनसे अच्छी-खासी रकम वसूली जा सकती है। इसी सोच के साथ हनीट्रैप की शुरुआत हुई।

हेतल ने बातचीत के दौरान

करना शुरू किया। न्यूड वीडियो वायरल करने और बलात्कार के झूठे केस में फँसाने की धमकी देकर 50 लाख की

क्या हेतल ने इससे पहले भी किसी को इस तरह फँसाया है।

औद्योगिक नगरी सूरत में कानून-व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल उठे

युवक की चाकू मारकर हत्या पिता का हृदय विदारक रोदन कहा,किसी ने चाकू मारकर गेट के आगे फेंक दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

औद्योगिक नगरी सूरत में कानून-व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल उठे हैं। सूरत के सचिन GIDC क्षेत्र में देर रात एक गंभीर हत्या की वारदात सामने आई है, जिसमें 21 वर्षीय युवक को फोन पर बुलाकर बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया गया।

5 से अधिक चाकू के वार मिली

जानकारी के अनुसार मृतक युवक का नाम गगनकुमार महानंद दास (21 वर्ष) था। हत्यारों ने किसी बहाने से उसे रात में फोन कर सचिन GIDC इलाके में बुलाया। वहां अज्ञात हमलावरों ने उस पर धारदार हथियार से हमला किया और 5 से अधिक चाकू के वार किए। मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। इसके बाद शव को फेंक दिया गया।

पिता का हृदयविदारक रोदन

घटना की सूचना मिलते ही परिवार पर मानो आसमान टूट पड़ा। गगनकुमार घर का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। बेटे की हत्या की खबर सुनकर उसके पिता फूट-फूटकर रो पड़े। पूरे इलाके में गम का माहौल छा गया।

पोस्टमॉर्टम के लिए शव भेजा गया सूचना मिलते ही सचिन GIDC पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

हत्यारों को पकड़ने पुलिस की टीमें सक्रिय पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हत्या पुरानी दुश्मनी के कारण हुई या कोई और वजह है। आसपास लगे CCTV की फुटेज खंगाली जा रही है। कई टीमों को तैनात किया गया है। गिरफ्तारी के बाद ही पूरी साजिश का खुलासा हो सकेगा।

परिवार के बयान 'वह किससे क्या समस्या रखता था, कभी किसी से शेयर नहीं करता था' - भाई

मुकेश कुमार (भाई) ने बताया:किसने चाकू मारा, इसकी जानकारी नहीं है। वहां कैमरे लगे हैं, फुटेज चेक करने से पता चल सकता है। उससे किस बात का विवाद था, वह किसी से कुछ साझा नहीं करता था। 'हमने दो लड़कों को जाते देखा था' - पिता, पिता ने कहा:मैं बिहार का रहने वाला हूँ। ड्यूटी से आया तो दोनों लड़के मुँह-हाथ धोकर ड्यूटी पर जाने की तैयारी कर रहे थे। मैंने खाना (बटाका-चना की सब्जी और रोटी) बनाया। उन्हें टिफिन दिया। इसके बाद उसने कहा— 'पापा, आप जाइए, हम खा लेंगे। 'पिता ने आगे कहा:हमनें दो लड़कों को यहाँ से जाते देखा, जिनमें से एक उसका करीबी दोस्त था।

क्या मामला था, हमें जानकारी नहीं। 'किसी ने चाकू मारकर गेट के आगे फेंक दिया था' - पिता,पिता ने घटना का वर्णन करते हुए कहा:मैं खाना खाकर सो गया था।

करीब साढ़े 11 बजे भाई ने आकर बताया कि गगन के साथ मारपीट हुई है। हम दौड़ते हुए पहुँचे तो देखा—उसे चाकू मारा गया था और गेट के आगे फेंक दिया गया था। कौन था, क्यों मारा, कुछ पता नहीं। वहां CCTV कैमरे हैं, फुटेज देखने से सब पता चल जाएगा। उन्होंने यह भी बताया: वह लड़ाई-झगड़ा करने वाला लड़का नहीं था। किसी ने फोन कर उसे बुलाया। जो 1172 और 1272 में काम करते हैं, उन्होंने ही 753 या 24 नंबर के खाता क्षेत्र में ले जाकर उसकी हत्या की। दूर ले जाकर उसे मार दिया गया।

गैस सिलेंडर लीक होने के बाद हुए धमाके ने ली दो जान

फ्लैश फायर से झुलसी दो युवतियों की उपचार के दौरान मौत, एक की हालत गंभीर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचीन-गभेणी इलाके में चार दिन पहले घर में गैस सिलेंडर लीक होने के बाद अचानक फ्लैश फायर से आग लग गई थी। इसमें दो बहनों समेत चार लोग झुलस गए थे। इनमें से दो युवतियों की इलाज के दौरान सिविल अस्पताल में मौत हो गई। इस घटना से दो परिवारों में शोक का माहौल छा गया है।

गंभीर रूप से झुलसी दो युवतियों की इलाज के दौरान मौत

सचीन के गभेणी रोड पर बर्फ फैक्ट्री के पास स्थित गुरुकृपा सोसायटी में रहने वाली 22 वर्षीय भाग्यश्री हरिभाई पलाई 2 दिसंबर की सुबह गैस चूल्हे पर खाना बनाने जा रही थीं।

इसी दौरान सिलेंडर लीक होने से फ्लैश फायर हुआ और जोरदार धमाका हुआ, जिससे घर में आग लग गई।

इस आग में भाग्यश्री, उनकी बहन रिंकी (19) और पड़ोस की शालू रामकिशोर पाल (22) बुरी तरह झुलस गए।

इसके अलावा हरीओम नामक युवक हल्का झुलसा।

गंभीर रूप से झुलसी दोनों बहनों और शालू को 108 एंबुलेंस के माध्यम से नई सिविल अस्पताल ले जाया गया।

इलाज के दौरान शालू और रिंकी की मौत हो गई। दोनों मूल रूप से ओडिशा के गंजाम जिले की रहने वाली थीं।

सचीन GIDC पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

दोनों युवतियों की मौत के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है।

2 दिसंबर की सुबह हुआ था हादसा

गुरुकृपा सोसायटी के प्लॉट नंबर 327 की तीसरी मंज़िल पर कमरे नंबर 32 में 2 दिसंबर की सुबह सिलेंडर लीक होने से फ्लैश फायर हुआ।

कुछ ही पलों में जोरदार धमाके के साथ आग फैल गई।

आग इतनी तेज़ थी कि परिवार के लोगों को बाहर निकलने का पर्याप्त समय नहीं मिल पाया, जिसके चलते तीन युवतियाँ गंभीर रूप से और एक पुरुष हल्का झुलस गया।

इस हादसे से सोसायटी में अफरातफरी मच गई।

हरिभाई पलाई अपनी दो बेटियों—भाग्यश्री (22) और रिंकी (19)—के साथ रहते हैं और सांचा विभाग में काम कर परिवार का गुजारा चलाते हैं।

2 दिसंबर की सुबह तीनों युवतियाँ मिलकर खाना बना रही थीं।

तभी ग्राउंड फ्लोर पर रहने वाली शालू भी वहाँ आ गई थीं।

इसी दौरान सिलेंडर लीक होने से फ्लैश फायर हुआ।

आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े।

तीनों युवतियाँ गंभीर रूप से झुलस गई थीं।

फायर विभाग को तुरंत सूचना दी गई, और 108 एंबुलेंस द्वारा सभी को नई सिविल अस्पताल पहुँचाया गया।

फायर टीम ने मौके पर पहुँचकर आग पर काबू पा लिया।

दोनो बहनों समेत तीनों युवतियाँ गंभीर रूप से झुलसी थीं

शालू और रिंकी 60-70%तक झुलसी थीं

भाग्यश्री 40-50% झुलसी थीं

अधिक झुलसने के कारण शालू और रिंकी की हालत नाज़ुक थी, और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

सूरत में कैफ़े मालिक का अपहरण कर की गई पिटाई

8,000 रुपये के बकाया बिल की वसूली पर युवक पर हमला

पहले लातें मारीं फिर थप्पड़ जड़े मारपीट का वीडियो भी बनाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वेसु इलाके में पैसों के लेन-देन को लेकर एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ 8,000 रुपये का बकाया बिल न चुकाने पर एक कैफ़े मालिक का अपहरण कर दो युवकों ने उसकी बेरहमी से पिटाई की। अपहरण और मारपीट के दौरान वीडियो भी बनाया गया।

8,000 रुपये के बकाया बिल की वसूली करने गए कैफ़े मालिक से मारपीट यह घटना वेसु स्थित मेडिनियन कैफ़े के मालिक के साथ घटी। 23 वर्षीय कैफ़े मालिक जसमिन वाघाणी ने इस मामले में वेसु पुलिस स्टेशन में आधिकारिक FIR दर्ज कराई है।

पुलिस शिकायत के अनुसार, आरोपियों में से एक युवक विवेक जैन पिछले दो-तीन महीनों से कैफ़े का लगभग 8,000 का बिल बिना चुकाए लंबित रखे हुए था। जसमिन वाघाणी कई दिनों से उसे फोन करके यह बकाया राशि जमा करने के लिए कह रहे थे।

आरोपियों ने पिटाई कर वीडियो भी बनाया

वसूली किए जाने पर गुस्से में आए विवेक जैन ने अपने दोस्त दीपक जैन के साथ मिलकर एक योजना बनाई। दोनों युवकों ने जसमिन वाघाणी का अपहरण कर लिया।

अपहरण के बाद दोनों ने जसमिन की बेरहमी से पिटाई की। शिकायत में बताया गया है कि पहले लातों से मारा गया और फिर उसके गाल पर जोरदार थप्पड़ मारे गए। इस दौरान आरोपी इतनी हिम्मत में थे कि वे खुद मारपीट करते हुए उसका वीडियो रिकॉर्ड भी कर रहे थे।

इस गंभीर घटना के बाद कैफ़े मालिक जसमिन वाघाणी ने तुरंत वेसु पुलिस स्टेशन में विवेक जैन और दीपक जैन के खिलाफ अपहरण और हमले की धाराओं में FIR दर्ज कराई।

वेसु पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए, विशेषकर मारपीट के वीडियो को मुख्य साक्ष्य मानकर, दोनों आरोपियों को पकड़ने के लिए जांच तेज कर दी है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

श्याम मंदिर के नए निर्माण का हुआ भुमि पूजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम में नए निर्माण कार्य के लिए शनिवार को सुबह साढ़े सात बजे से भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम द्वारा मंत्रोचारण से भुमि पूजन किया गया। कैलाश हाकिम ने कहा की बहुत जल्दी निर्माण कार्य

शुरू होगा एवं विश्व स्तरीय कॉरिडोर का निर्माण भक्तों की प्रत्येक सुविधाओं को ध्यान में रख कर लिया जाएगा। भुमि पूजन के मौके पर ट्रस्ट के सचिव राजेश दोदराजका सहित अन्य पदाधिकारी, कार्यकारिणी के सदस्य एवं अनेकों श्याम भक्त उपस्थित रहें।

कल्पेश नाईट राइडर्स ने जीता बीसीपीएल-4

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,भास्कर मिल ग्रुप द्वारा बीसीपीएल-4 क्रिकेट लीग का आयोजन वेसु स्थित टर्फ पर किया गया। ग्रुप के अशोक टिबरेवाल ने बताया की आयोजन में कुल सात टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मैच में कल्पेश नाईट राइडर्स ने एक्सपोर्ट्स चैम्पियंस को हराकर खिताब जीता। टूर्नामेंट

में बेस्ट बैट्समैन चिराग दामानी, बेस्ट बॉलर याशिक खुराना एवं मेन ऑफ़ द सीरीज चिराग दामानी बनें। सभी को एवं विजेता टीम को ट्रॉफ़ी देकर सम्मानित किया गया।

सूरत में 20 हजार रुपये के लिए तीन दोस्तों का अपहरण, तालिबानी अत्याचार करते हुए दो की मौत

सूरत के गोडादरा में बूटलेगर शिवा टकला की मानवता को शर्मसार करने वाली वारदात सिर्फ 20,000 की उगाही के लिए तीन दोस्तों का अपहरण, लकड़ी-लोहे से पीटकर तालिबानी अत्याचार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के गोडादरा इलाके में बूटलेगर शिवा टकला द्वारा की गई अमानवीय घटना सामने आई है। मात्र 20,000 की वसूली को लेकर उसने तीन दोस्तों का अपहरण कर उन्हें लकड़ी के डंडों, लोहे की रॉड, लात-जूते से बेहिसाब पीटा और धमकी दी कि 'किसी के सामने मुंह दिखाने लायक नहीं छोड़ेंगे।' इसके बाद उसने अर्धे सिर के बाल, मूंछें और एक आंख की भौंह उस्तरे से काटकर जैसे किसी पिशाच की तरह विकृत आनंद लिया। इन बर्बर अत्याचारों को सहन न कर पाने के कारण 22 वर्षीय सोएब शेख की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि नाज़िम की लाश महाराष्ट्र बॉर्डर के पास मिली।

नाज़िम का शिवा टकला से पैसे को लेकर पुराना विवाद

घटना में बच गए इर्शाद ने पुलिस को बताया कि 1 दिसंबर को लिंबायत के गोविंद नगर निवासी इर्शाद उर्फ काणियो, नाज़िम उर्फ भांजा सादिक और सोएब फीरोज चांद शेख मारुति नगर में बैठे थे। नाज़िम का शिवा टकला से पैसों को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। इस पर बात करने तीनों गोडादरा के लक्ष्मण नगर पहुंचे। वहीं बातचीत झगड़े में बदल गई। इसके बाद शिवा टकला ने अपने साथियों के साथ मिलकर तीनों का अपहरण किया और उन्हें कैपिटल स्क्वायर पर ले गया। लोहे की रॉड, डंडों और लातों से की गई बर्बर मारपीट

कैपिटल स्क्वायर पर शिवा टकला के साथ कुख्यात बूटलेगर राजू शीला का बेटा मेहुल, बिपिन गडरियो, ताजीब, अमित और सनी कालय जैसे लुच्चे-लफंगे मौजूद थे। इन लोगों ने तीनों युवकों को चारों तरफ से घेर लिया और लकड़ी, लोहे की रॉड, लात-जूते से बेरहमी से पीटा।